CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 261 ता. 10 अप्रेल 2022, रविवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

मायावती को सीएम पद का ऑफर दिया था, पर सीबीआई-ईडी के डर से नहीं दिया था जवाब : राहुल गांधी

नई दिल्ली ।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी दावा किया कि बहुजन समाजवादी पार्टी (बसपा) की मुखिया मायावती केंद्रीय जांच एजेंसी (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के दबाव और डर की वजह से उत्तर प्रदेश विधानसभा का चुनाव नहीं लड़ीं। उन्होंने कहा मायावती को वह मुख्यमंत्री बनाने को तैयार थे, उन्हें संदेश भी भिजवाया, लेकिन बसपा चीफ सीबीआई, ईडी जैसी केंद्रीय एजेंसियों से इतनी डरी थीं कि उन्होंने मेसेज का जवाब तक नहीं दिया। राहुल गांधी ने ये बातें द दलित ट्रुथ किताब की लॉन्चिंग पर दिल्ली के जवाहर भवन में कहीं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को जवाहर भवन में पूर्व आईएएस अधिकारी के राजू द्वारा संपादित निबंध संग्रह का विमोचन किया। यह पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया की रीथिंकिंग इंडिया श्रृंखला का आठवां खंड है। उन्हों कहा संस्थान के बिना संविधान का कोई मतलब नहीं है क्योंकि संस्थान के बिना संविधान को लागू नहीं किया जा सकता। उन्होंने दावा किया कि देश के सबके सब संस्थान आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के हाथों में हैं।

उन्होंने मायावती का उदाहरण देते हुए कहा हमने मायावती को मेसेज दिया कि गठबंधन करिए, मुख्यमंत्री बनिए, उन्होंने बात तक नहीं की। सीबीआई और ईडी से डरती हैं वह। कांशीराम ने दलितों को आवाज दी, दलितों को जगाया लेकिन आज मायावती कहती हैं कि वह दलितों की आवाज के लिए नहीं लड़ेंगी। राहुल गांधी ने कहा संविधान पर यह आक्रमण उस दिन से शुरू हुआ था जब महात्मा गांधी की छाती में तीन गोलियां भेदी गईं। उन्होंने कहा कि आंबेडकर ने हमें संविधान जैसा अधिकार दिया मगर आज इसका कोई मतलब नहीं है, क्योंकि पैगासस, सीबीआई, ईडी आदि संस्थान मिलकर संविधान को लागू किए जाने से रोक रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब तक जनता के अंदर से आवाज नहीं निकलेगी संविधान अपना काम नहीं कर सकता।

करौली में आगजनी और हिंसा को लेकर भाजपा सांसद मीणा ने शुरू किया धरना, कर्फ्यू की अवधि बढ़ाई

जयपुर ।

राजस्थान के करौली में आगजनी और हिंसा को लेकर राजनीति तेज हो गई है। सत्तारूढ कांग्रेस का कहना है कि ध्रुवीकरण की राजनीति के लिए इस तरह की साजिश रची गई थी जबकि भाजपा ने इस पूरी घटना को सुनियोजित साजिश बताया है। इस बीच करौली में कर्फ्यू की मियाद को 10 अप्रैल तक बढा दिया गया है। भाजपा सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने इसके खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। करौली जिला कलेक्ट्रेट परिसर में मीणा सांकेतिक धरने पर बैठ गए हैं।

इसके साथ ही उन्होंने पूरे मामले में पक्षपातपूर्ण कार्रवाई का आरोप लगाते हुए कहा है कि जब तक निष्पक्ष कार्रवाई पूरी नहीं होती तब तक मैं सांकेतिक धरना दूंगा। भाजपा सांसद मीणा ने कहा कि कांग्रेस सरकार द्वारा मनोनित पार्षद अमीमुद्दीन और पार्षद मतलूब के नेतृत्व में सुनियोजित ढंग से पत्थरबाजी हुई थी। दोनों ही पार्षदों को स्थानीय विधायक सरकार के इशारे पर बचा रहे हैं। मीणा ने कहा घटना के तुरंत बाद पुलिस की तरफ से दर्जन भर उपद्रवियों को पकड़ा भी गया था लेकिन स्थानीय विधायक समुदाय विशेष के कई उपद्रवियों को छुड़ाकर ले आए। इसके साथ ही मीणा ने पलायन करने वाले 195 लोगों की लिस्ट भी जारी की और कहा कि संभागीय आयुक्त अभी तक पलायन की घटना से इनकार कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इस मरूधरा में कानून व व्यवस्था की जगह तालिबानी शासन ने ले ली है, जहां हिन्दू समुदाय पर्व और त्योहार मनाने में भी हिचकता है।

कश्मीर में पर्यटकों की भीड़ देखकर होटल, टैक्सी वालों और टूरिस्ट गाइडों के खिले चेहरे

जम्मू । कोरोना के हालात सुधरते ही जम्मू-कश्मीर में पर्यटकों की संख्या पुराने सभी रिकॉर्ड तोड़ने लगी है। श्रीनगर हवाई अड्डे पर दिन-रात विमानों की आवाजाही दर्शा रही है कि पर्यटन उद्योग के अच्छे दिन आने वाले हैं। मार्च में पिछले एक दशक का रिकॉर्ड टूट गया क्योंकि इस दौरान एक लाख 80 हजार से ज्यादा पर्यटक कश्मीर घूमने आये। यही नहीं नवरात्रि के शुरुआती छह दिनों में एक लाख 76 हजार से ज्यादा श्रद्धालु प्रसिद्ध वैष्णो देवी गुफा के दर्शन कर चुके हैं। यही नहीं, इस बार अमरनाथ तीर्थयात्रियों के भी भारी संख्या में आने की संभावना है जिसके चलते तमाम तैयारियां की जा रही हैं। देश के तमाम क्षेत्रों में बढ़ती गर्मी के चलते लोग कश्मीर का रुख कर रहे हैं। पहले यहां हालात ठीक नहीं होने के चलते लोग ठंड का मजा लेने के लिए अन्य पहाड़ी इलाकों में चले जाते थे लेकिन इस बार कश्मीर घाटी की ही ओर हर कोई खिंचा चला आ रहा है। यहां का मनोरम मौसम और वादियां हर किसी को आकर्षित कर रही हैं तो इसके अलावा लोग ट्यूलिप गार्डन, मुगल गार्डन आदि में सेल्फियां लेते और शिकारा की सैर करके आनंद लेते देखे जा सकते हैं। पर्यटकों की संख्या को देखकर जहां होटल उद्योग से जुड़े लोग खुश हैं वहीं शिकारा वाले तथा पर्यटन उद्योग से जुड़े अन्य लोग भी खुश हैं। जम्मू से 42 किलोमीटर की दूरी पर जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग के पास स्थित तीर्थयात्रियों के आधार शिविर 'कटरा' में देश तथा विदेश के भक्तों के स्वागत की पूरी तैयारी की गई है।

36 में से नौ विधान परिषद सीटों पर भाजपा प्रत्याशियों का निर्विरोध निर्वाचन तय

लखनऊ । उत्तर प्रदेश विधान परिषद की 36 में से 27 सीटों पर शनिवार को मतदान किए गए। 36 सीटों पर मतदान होना था, लेकिन नौ सीटों पर भाजपा के अलावा अन्य पार्टी के प्रत्याशी मैदान में नहीं हैं। इस कारण नौ सीटों पर भाजपा प्रे याशियों का निर्विरोध निर्वाचन तय हो गया है। यूपी एमएलसी चुनाव का परिणाम 12 अप्रैल को आएगा। जिन सीटों पर मतदान हुआ, उनमें कई सीटें ऐसी हैं, जहां नामांकन से ठीक पहले प्रत्याशी ने अपना नाम वापस ले लि या तो कहीं नामांकन करते समय हुई गलतियां दूर करने के लि ए जब प्रे याशि यों को बुलाया गया तो वो समय पर पहुंचे ही नहीं। इसके चलते नौ सीटों पर भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों का निर्विरोध चुना जाना तय हो गया है। जि नमें श्याम नारायण सिंह उर्फ विनीत मिर्जापुर-सोनभद्र, ओम प्रकाश सिंह मथुरा-एटा-मैनपुरी, आशीष यादव मथुरा-एटा-मैनपुरी, वागीश पाठक बदायूं, अशोक अग्रवाल हरदोई, अनूप गुप्ता लखीमपुर खीरी, जितेंद्र सिंह सेंगर बांदा-हमीरपुर, ऋषिपाल सिंह अलीगढ़, नरेन्द्र भाटी बुलंदशहर सीट शामिल है।

एमएलसी चुनावों में एडीए को बढ़त मिलने पर बोले नीतीश कुमार-जीत का दावा करने वाले हार गए

पटना ।

बिहार में विधान परिषद चुनाव के बाद सियासी घमासान और बयानबाजी का दौर शुरू हो रहा है। एक तरफ जहां बिहार के ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने एनडीए की एकजुटता पर सवाल उठाए तो सीएम नीतीश कुमार ने भी परिणामों के प्रति आश्चर्य जताया। जेडीयू की तरफ से कई सीटों पर जीत का दावा किया जा रहा था लेकिन परिणाम इसके ठीक उलट आए। पटना के अशोक कन्वेंशन सेंटर में सम्राट अशोक की प्रतिमा पर माल्यार्पण के बाद मीडिया से बात करते हुए नीतीश कुमार ने कहा बिहार विधान परिषद का चुनाव आम जनता का इलेक्शन नहीं है। इसमें सीमित लोग ही मतदान करते हैं। एमएलसी चुनावों में एनडीए को बढ़त मिलने के सवाल पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि इन चुनावों में आम जनता मतदान कहां कर रही है? इसमें सीमित लोग ही मतदान करते हैं। पिछली बार भी जब राजद के साथ गठबंधन था उसमें भी भाजपा को काफी सीट मिली थी। जो भी उम्मीदवार जीते हैं उनको बधाई। इससे पहले ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने कहा था कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की एकजुटता दिखती तो

विधान परिषद चुनाव के परिणाम कुछ और होते। उन्होंने कहा बिहार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कु छ नेताओं की अकारण बयानबाजी और बड़बोलेपन से मतदाताओं के बीच भ्रम की स्थिति पैदा हुई। बिहार विधानपरिषद की 24 सीटों के लिए चार अप्रैल को मतदान के बाद मतगणना में सत्तारूढ़ राजग ने आधे से अधिक पर कब्जा कर अपना दबदबा बरकरार रखा है। लालू प्रसाद की पार्टी राजद ने भी इस चुनाव में छह सीटें जीत कर अपनी सीटों की संख्या में सुधार करने में कामयाबी हासिल की।

महाराष्ट्र- मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने के बयान पर राज ठाकरे के घर के बाहर राकांपा ने किया प्रदर्शन

मुंबई ।

कर्नाटक में हिजाब, हलाल के बाद मस्जिदों में लाउडस्पीकर को लेकर छिड़े घमासान के बीच इसकी आंच महाराष्ट्र में भी पहुंच गई है। महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की नगर इकाई ने मनसे प्रमुख राज ठाकरे की हाल की उस टिप्पणी की निंदा करते हुए आंदोलन किया जिसमें राज्य सरकार से मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाने का आग्रह किया गया था। नारा ए तकबीर और अल्लाह हू अकबर के नारे लगाए गए। दो अप्रैल को मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने बयान दिया था कि मस्जिदों में अजान की आवाज को कम नहीं किया गया तो इसके खिलाफ मस्जिदों के बाहर और तेज आवाज में हनुमान चालीसा बजाया जाएगा। राज ठाकरे के बयान के खिलाफ एनसीपी ने प्रदर्शन किया। राकांपा नेताओं ने कहा कि ठाकरे की टिप्पणी संविधान के सिद्धांतों के खिलाफ है। कोंढवा इलाके में प्रदर्शन किया गया। एनसीपी के सिटी यूनिट के प्रमुख प्रशांत जगताप ने कहा, संविधान ने सभी को अपने धर्मों और मान्यताओं की पूजा करने और जश्न मनाने की आजादी दी है। समाज में सद्भाव बनाए रखने और राजनीतिक लाभ के लिए बयान देने से बचने की जरूरत है। प्रदर्शनकारियों ने राज ठाकरे मुर्दाबाद के साथ वसंत मोरे जिंदाबाद का नारा लगाते हुए पुणे के मनसे ऑफिस पर हंगामा और तोड़फोड़ की है। इसके साथ ही प्रदर्शन में नारा ए तकबीर और अल्लाह हू अकबर के नारे लगाए गए। इस बीच, मनसे नेता वसंत मोरे ने कहा कि उन्हें शिवसेना नेताओं से पार्टी में शामिल होने के लिए फोन आए थे। मुझे राकांपा नेताओं के भी फोन आए।

दादा ने मर्यादा को किया तार-तार, 6 वर्षीय मासूम पोती को बनाया अपनी हवस का शिकार

जींद ।

मानवीयता को शर्मसार करने वाली खबर हरियाणा के जींद शहर से आ रही है यहां रिश्तों की मर्यादा को ताक पर रखते हुए एक बुजुर्ग दादा ने अपनी ही 6 साल की पोती को अपनी हवस का शिकार बना लिया। 6 साल की मासूम जिसने अभी सही से दुनिया भी नहीं देखी, जिसके लिए मां का आंचल ही संसार हैं, ऐसे में इतनी कम उम्र में रेप का शिकार हुई मासूम की की हालत कैसी होती कोई उसका अंदाजा नहीं लगा सकता हैं। हरियाणा के जींद जिले की अलेवा थाना पुलिस ने अपनी छह साल की पोती के साथ बलात्कार के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया है। महिला थाना पुलिस ने पीड़िता की मां की शिकायत पर दादा के खिलाफ भारतीय दंड संहिता और पॉक्सो कानून के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बच्ची की मां से मिली शिकायत के आधार पर पुलिस ने बताया कि एक अप्रैल को घर के सभी लोग बाहर गए हुए थे और दादा-पोती

घर में थे। उन्होंने बताया कि इसी दौरान दादा ने बच्ची के साथ बलात्कार किया और इस बारे में किसी को भी बताने पर जान से मारने की धमकी दी। हालांकि, मां के घर लौटने पर बच्ची ने उन्हें सारी बातें बतायीं, जिसके बाद पुलिस को तहरीर दी गई।

आम चुनाव के पहले इसी साल के अंत में गुजरात में होगी पीएम मोदी और गृहमंत्री शाह की अग्निपरीक्षा

नई दिल्ली ।

2017 की जीत को भाजपा 2022 में दोहरा पाएगी इसको लेकर काफी संशय और सवाल थे। कोरोना की तबाही सामने थी, किसानों का विरोध सामने था, जातिगत संतुलन को लेकर भी तरह-तरह की बातें की जा रही थी। लेकिन सीएम योगी ने ये दिखा दिया कि उनके रहते हुए कोई भी लक्ष्य नामुमकिन नहीं। योगी पहले योगी से राजा बने अब वो इस जीत के साथ सम्राट की तरह दिखने लगे हैं। कहा जाता है कि दिल्ली की गद्दी का रास्ता यूपी से होकर जाता है और 2022 का विधानसभा चुनाव 2024 से पहले सत्ता का सेमीफाइनल माना जा रहा था। योगी ने अपनी सबसे बड़ी परीक्षा पास कर ली और वो भी फुल डिस्टिंक्शन मार्क्स के साथ। लेकिन अब इस साल के अंत में भाजपा आलाकमान का सबसे बड़ा इम्तिहान होने जा रहा है। इस साल नवंबर-दिसंबर में गुजरात और हिमाचल प्रदेश में चुनाव होने हैं। गुजरात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का गृह राज्य है। वहीं हिमाचल प्रदेश भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का गृह राज्य है। ऐसे में इन दोनों राज्यों के चुनावी नतीजों राजनीतिक और भाजपा के लिए रणनीतिक तौर पर भी बेहद अहमियत रखते हैं। इसी लिए यहां अभी से ही तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इसी साल के अंत में होने वाले हिमाचल प्रदेश के विधानसभा चुनाव में बीजेपी हर हाल में जीत दर्ज करना चाहेगी। 2017 के चुनाव में 68 सीटों में से 44 को अपने नाम कर भाजपा सत्ता में आई। हिमाचल प्रदेश का राजनीतिक इतिहास बताता है कि पिछले चार दशकों में यहां किसी भी पार्टी ने दोबारा सत्ता नहीं पाई है। यानी 1980 के बाद से ही कांग्रेस और बीजेपी के बीच सत्ता की अदला-बदली का खेल चलता रहा है। 1980 में ठाकुर रामलाल राज्य के सीएम बने। 1982 में उन्हें आंध्र प्रदेश का गवर्नर बनाया गया। फिर वीरभद्र सिंह ने मुख्यमंत्री पद संभाला। 1985 में वीरभद्र सत्ता में आए और उसके बाद से किसी भी सरकार ने दूसरी बार कार्यकाल हासिल करने में सफलता नहीं पाई। उत्तर प्रदेश में जीत की इबारत लिखने के बाद भाजपा को पूरा विश्वास है कि वह इस मिथक को भी वैसे ही ध्वस्त करेगी जैसा की यूपी में किया। उत्तर प्रदेश में 37 साल बाद कोई पार्टी लगातार दूसरी बार सत्ता में आई। वहीं 2002 में बने उत्तराखंड में भी ऐसा ही कुछ बीजेपी ने करके दिखाया। बीजेपी ने इसके लिए अपनी तैयारियां भी तेज कर दी है। जिसकी कमान बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने खुद अपने हाथों में संभाल ली है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा शनिवार को शिमला में रोड शो से हिमाचल प्रदेश में चुनावी शंखनाद करेंगे। 10 अप्रैल को सड़क मार्ग से बिलासपुर जाएंगे। जनसभा के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा विधायक दल, कोर ग्रुप और पार्टी पदाधिकारियों की बैठक लेंगे। पांच राज्यों में चार में विजय का भगवा लहराने के अगले दिन अहले सुबह गुजरात की सड़कों पर नरेंद्र मोदी के सरिया टोपी पहने स्वागत के पुष्पों के बीच लोगों का अभिवादन करते हुए उन तस्वीरों को भला कौन भुला सकता है। 9 किलोमीटर लंबा रोड शो प्रधानमंत्री के गृह राज्य में आयोजित किया गया ।

भारत की शान में कशीदे पढ़ने के पीछे कहीं इमरान पश्चिमी देशों को उनकी कूटनीति के प्रति उकसा तो नहीं रहे

नई दिल्ली । भारत के साथ दुश्मनी का रिश्ता रखने वाले पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान के पीएम इमरान खान पिछले कई दिनों से अमेरिका की आलोचना में भारत की कूटनीति की प्रशंसा करने लगे हैं। पहली नजर में देखें तो इमरान भारत की तारीफ पे तारीफ किए जा रहे हैं। लेकिन अगर इसे थोड़ा हटके देखें तो इमरान भारत के गुण गा रहे हैं या फिर पश्चिमी देशों को उसकी कूटनीति के प्रति उकसा रहे हैं। पाकिस्तान में इमरान खान की कुर्सी अब बस जाने ही वाली है। अफवाहें, अटकलें, अनुमान, चालबाजियां, मिन्नतें, या भारत का गुणगान कुछ भी नहीं आया काम। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग होनी थी। लेकिन पाक संसद को फिलहाल एक बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। इमरान खान चाहे जितनी मर्जी बातें कर ले ,जितनी मर्जी विक्टम कार्ड खेल ले। लेकिन उनके पास अब और कोई चारा नहीं बचा है। नेशनल असेंबली को भंग करके इमरान खान को लग रहा था कि उन्होंने छक्का मारकर मैच जीत लिया है। लेकिन पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें रन आउट करार दे दिया। कल रात इमरान खान ने वोटिंग से पहले एक बार फिर से देश को संबोधित किया। विपक्ष के साथ अमेरिका को भी साजिश का मास्टरमाइंड बताया और भारत की कूटनीति के शान में कसीदे भी पढ़ें। इमरान खान हर बार कहते रहे कि वह आखिरी गेंद तक खेलेंगे। लेकिन अब लग रहा है कि वो आखिरी गेंद आ ही गई। इमरान खान ने एक बार फिर से अपने देश को संबोधित करते हुए कहा कि मैं फिर से अपनी कौम को कहता हूं कि हमें यह फैसला करना है कि हमें किस तरह का पाकिस्तान चाहिए। मैं आपको आज से अफसोस और तकलीफ भी होती है कहते हुए कि हमारे साथ ही हिंदुस्तान आजाद हुआ था।

संक्षिप्त समाचार

गुजरात के एक्सई वैरिएंट के नमूने का कराया जा रहा 'जीनोमिक' विश्लेषण: स्वास्थ्य मंत्रालय

नई दिल्ली । गुजरात से मिले कोविड-19 के एक्सई स्वरूप के नमूने का जीनोम विश्लेषण किया जा रहा है और इसके नतीजे जल्द ही आने की उम्मीद है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने सबसे पहले ब्रिटेन में पाए गए ओमीक्रोन के नए स्वरूप एक्सई के खिलाफ चेतावनी जारी की है और कहा है कि यह अभी तक कोविड-19 के किसी भी स्वरूप के मुकाबले अधिक संक्रामक है। एक्सई स्वरूप ओमीक्रोन के दो उप-स्वरूपों बीए.1 और बीए.2 दोनों का मिश्रण है। गुजरात में कोरोना वायरस के ओमीक्रेन स्वरूप के उप-स्वरूप एक्सई का पहला मामला सामने आया है। मुंबई से वडोदरा आया एक व्यक्ति एक्सई स्वरूप से संक्रमित मिला है। इससे पहले मुंबई नगर निकाय के अधिकारियों ने कहा था कि फरवरी के अंत में दक्षिण अफ्रीका से आई एक महिला मार्च में एक्सई स्वरूप से संक्रमित पाई गई थी, लेकिन स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसकी पुष्टि नहीं की है। मंत्रालय ने बुधवार शाम को कहा था कि मौजूदा साक्ष्य यह संकेत नहीं देते हैं कि यह एक्सई स्वरूप का मामला है। एक आधिकारिक सूत्र ने कहा था, भारतीय सार्स-सीओवी-2 जीनोमिक्स कंसोर्टियम (आईएनएसएसीओजी) विशेषज्ञों ने नमूने की फास्टक्यू फाइल का विश्लेषण किया और पाया कि मुंबई की महिला को संक्रमित करने वाले इस स्वरूप की जीनोमिक संरचना एक्सई स्वरूप की जीनोमिक संरचना के अनुरूप नहीं है। सूत्रों ने बताया गुजरात से मिले एक्सई स्वरूप के नमूने का जीनोमिक विश्लेषण चल रहा है और नतीजे जल्द ही आने उम्मीद है।

जेलों में होगा महामृत्युंजय और गायत्री मंत्र का जाप, अध्यात्म से जुड़ेंगे कैदी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश की जेलों में अब से महामृत्युंजय और गायत्री मंत्र बजाए जाएंगे. योगी सरकार की तरफ से कैदियों की मानसिक शांति के लिए यह नया प्रयास किया जा रहा है. जेल एवं होमगार्ड राज्य मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने सर्किट हाउस में कहा कि कैदियों के लिए संतों के उपदेश होंगे. इस पहल का लक्ष्य कैदियों में सकारात्मक सोच पैदा करना है ताकि जब वो जेल से रिहा हों तो एक अच्छे इंसान बनकर बाहर जाएं. जेलों में हर दिन 5 से 10 मिनट तक कैदियों के बीच गायत्री मंत्र और महामृत्युंजय जाप किया जाएगा. मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने आगरा में मीडिया से हुई बातचीत में साफ कहा कि जेल में गायत्री मंत्र और महामृत्युंजय मंत्र का जाप करने के निर्देश दिए गए हैं. साथ ही जेल प्रशासन से यह भी कहा गया है कि समय-समय पर जेल में संतों महंतों के प्रवचन भी कराए जाएंगे. मंत्री धर्मवीर प्रजापति ने कहा कि जेल में बंद लोगों ने अपराध किया है. ऐसे में अगर जेल में गायत्री मंत्र और महामृत्युंजय मंत्र का जाप किया जाएगा तो कैदियों का पाप बोध कम होगा और उनके विचारों बदलाव आएगा. साथ ही उन्होंने कहा कि संतों और महंतों के प्रवचन से लोगों के विचार बदलते हैं, लोगों में सद्भावना आती है. जेल में अगर संतो महंतों के प्रवचन होंगे तो जेल में बंद कैदियों की भावनाएं भी बदलेगी।

कोरोना के तीसरे बूस्टर डोज के लिए नहीं कराना पड़ेगा नया पंजीयन

नई दिल्ली । महामारी करोना से बचाव के लिए बूस्टर डोज की तीसरे डोज के लिए केंद्र सरकार ने 18 वर्ष से अधिक की आयु की आबादी के लिए निजी टीकाकरण केंद्रों के लिए

विस्तृत दिशा निर्देश जारी करते हुए कहा है कि टीके का धिकतम सेवा शुल्क 150 रुपए प्रति होगा। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय में सचिव राजेश भूषण में शनिवार को यहां कहा कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 18 से 59 वर्ष की आयु की आबादी को कोविड का तीसरा टीका लगाने की तैयारियां करनी चाहिए। तीसरा टीका निजी कोविड टीकाकरण केंद्रों पर लगाया जाएगा और यह केंद्र टीके की लागत और सेवा शुल्क के रूप में 150 रुपए तक की राशि लोगों से ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि बूस्टर डोज लगवाने के लिए कोई नया रजिस्ट्रेशन नहीं कराना होगा। कोविन एप पर पहले से ही किए गए रजिस्ट्रेशन के जरिए बूस्टर डोज लगाई जाएगी। और वह सीधे टीकाकरण केंद्र पर जाकर भी टीका ले सकता है। तीसरा टीका दूसरे टीके के 9 महीने के अंतराल पर दिया जाएगा। तीसरी खुराक उसी टीके की होगी जिसका उपयोग पहली और दूसरी खुराक में किया गया है।

तसलीमा नसरीन का तंज, इमरान बुशरा बीबी को तलाक देकर एक महिला तोते से कर लें शादी

नई दिल्ली । पाकिस्तान की सियासत में प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ महत्वपूर्ण अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान करने के लिए संसद का अहम सत्र शुरू हो गया। वहीं बांग्लादेशी लेखिका तसलीमा नसरीन ने शनिवार को इमरान खान पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि इमरान अब अपनी तीसरी पत्नी और आध्यात्मिक मार्गदर्शक बुशरा बीबी को तलाक देकर एक महिला तोते से शादी कर लें क्योंकि वह प्रधानमंत्री की कुर्सी से दूर होने जा रहे हैं। तसलीमा ने ट्वीट कर लिखा कि अब वह उसे तलाक दे सकते हैं और भाग्य बताने वाली किसी महिला तोते से शादी कर सकते हैं जो कहेगी कि इमरान कभी नहीं मरेंगे। तसलीमा ने कहा कि इमरान खान ने बुशरा से शादी की क्योंकि बुशरा ने अपनी विशेष आध्यात्मिक शक्ति से कहा था कि इमरान प्रधानमंत्री बनेंगे। क्या उसने भविष्यवाणी की थी कि वह अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाएंगे? हरगिज नहीं। बता दें कि चुनाव जीतने के तुरंत बाद इमरान खान ने 2018 में बुशरा बीबी से शादी की, जिन्हें पिंकी पीरनी के नाम से भी जाना जाता है। पाकिस्तानी मीडिया ने बताया कि इमरान खान 2015 से आध्यात्मिक मार्गदर्शन के लिए बुशरा बीबी के पास जा रहे थे और उनकी कई राजनीतिक भविष्यवाणियां सच हुईं। इमरान खान से शादी करने से पहले बुशरा बीबी की शादी ख्वार फरीद मेनका से हुई थी, जो एक सरकारी अधिकारी थे। पाकिस्तान में मची राजनीतिक उथल-पुथल को इमरान खान विदेशी साजिश का परिणाम मानते हैं। इस बीच बुशरा बीबी को लेकर विपक्ष ने आरोप लगाया कि उन्होंने इमरान खान के भविष्य के लिए ।

हल्दी एवं अदरक
प्रसंस्करण विधियां

खुदाई करने से 2 दिन पूर्व खेत की हल्की सिंचाई कर दी जाती है और फिर जुताई करके अथवा दांतेदार यंत्र की मदद से खुदाई की जाती है। हल्दी के पूर्ण विकसित पंजे (क्लम्प) को बाहर निकाल लिया जाता है। फिर इस पंजे में लगी मिट्टी एवं रेशे वाली जड़ों को हंसिया या चाकू की मदद से काटकर हटा दिया जाता है।

हल्दी की फसल की खुदाई पौधों में लगी हुई पत्तियों के सूखकर गिर जाने पर की जाती है। खुदाई करने से 2 दिन पूर्व खेत की हल्की सिंचाई कर दी जाती है और फिर जुताई करके अथवा दांतेदार यंत्र (डिगिंग फोर्क) की मदद से खुदाई की जाती है। हल्दी के पूर्ण विकसित पंजे (क्लम्प) को बाहर निकाल लिया जाता है। फिर इस पंजे में लगी मिट्टी एवं रेशे वाली जड़ों को हंसिया या चाकू की मदद से काटकर हटा दिया जाता है। हल्दी के पंजे में दो प्रकार की गांठे मिलती हैं-

- पंजे के मध्य में एक ज्यादा मोटी एवं सख्त गांठ जिसका आकार ढ़ोलक जैसा होता है इसे मातृ प्रकंद कहते हैं और
- पतली उंगलियों जैसी 8 से 15 तक प्रकंद, जिनको पुत्री प्रकंद कहते हैं। खुदाई के तुरंत बाद इन दोनों प्रकार की गांठों को अलग-अलग कर लिया जाता है। मातृ प्रकंद का उपयोग सामान्यतः अगली फसल की बुवाई के लिए किया जाता है। बुवाई से अधिक मात्रा होने पर इसका अलग से प्रसंस्करण करते हैं। पुत्री प्रकंद को भी बोने के लिए भंडारित किया जाता है और अतिरिक्त मात्रा को प्रसंस्कृत किया जाता है।

हल्दी का प्रसंस्करण
हल्दी के मातृ एवं पुत्री प्रकंदों का प्रसंस्करण चार अवस्थाओं में पूर्ण किया जाता है।

उबालना
हल्दी के प्रकंदों को उबालने के लिये मिट्टी के बर्तन अथवा लोहे के बड़े व कम गहरे बर्तनों का प्रयोग किया जाता है। यदि गुड़ बनाने वाली उथली कड़ाही हो तो उसका भी प्रयोग किया जा सकता है। इस बर्तन में हल्दी रखने के बाद इसमें पानी भरा जाता है जिससे कि सभी प्रकंद अच्छी तरह से डूब जायें। इसके बाद हल्दी की पत्तियों की एक मोटी परत से प्रकंद को ढंक दिया जाता है।

सुखाना
हल्दी के उबले हुए प्रकंदों को पानी से बाहर निकालकर पतली परतों से पके फर्श में फैलाकर सूर्य ताप में सुखाएं। सामान्यतः उबली हुयी गांठों के सूखने में 7 से 10 दिन लग जाते हैं। सूखने पर प्रकंद सख्त और कड़क हो जाते हैं जिनको तोड़ने पर एक धात्विक आवाज आती है।

छिलके उतारना
अब इन सूखे हुये प्रकंदों के ऊपरी सतह में लगे छिलकों को कठोर फर्श में रगड़ कर या बांस से बनी चटाई या टोकनी में रगड़कर हटाया जाता है। ऐसा करने से प्रकंद चिकने, साफ और जड़ रहित हो जाते हैं। हल्दी की मात्रा अधिक होने पर छिलके उतारने का कार्य मशीन द्वारा किया जाता है।

इसमें चूने का पानी या सोडियम बाई-कार्बोनेट या सोडियम कार्बोनेट का घोल मिलाने से तैयार हल्दी का रंग आकर्षक पीला बनता है। अब हल्दी को उबालने की क्रिया प्रारंभ की जाती है। हल्दी को धीमी आंच में तब तक उबाला जाता है जब तक कि उसमें झाग और हल्दी की खुशबू न आने लगे। बीच-बीच में दो-चार प्रकंदों को बाहर निकालकर उनको उंगलियों से दबाकर उनके मुलायम हो जाने की परीक्षा की जाती रहती है। जब प्रकंद मुलायम होकर उंगलियों से दबने लगे, तब उबालने की क्रिया बंद कर दें।

प्रकंदों को रंगना
छिलका उतारी गयी सूखी हल्दी को रंगने का कार्य उपभोक्ताओं को आकृष्ट करने के लिए किया जाता है। रंगने का कार्य बांस की टोकनी में सूखी हल्दी को रखकर धीरे-धीरे उसमें रंगने का मिश्रण मिलाते एवं हिलाते हुए किया जाता है। ऐसा करने से हल्दी अच्छी दिखने लगती है। 1000 किग्रा हल्दी को रंगने के लिए फिटकरी (एलम) 40 मिग्रा, हल्दी चूर्ण 2 किग्रा, अरंडी का तेल 140 मिली, सोडियम बाई सल्फाइड 30 ग्राम एवं सान्द्र हाईड्रोक्लोरिक अथवा सान्द्र सल्फ्यूरिक अम्ल 30 मिली का प्रयोग किया जाता है।

मिश्रित मछली पालन अपनाने पर परम्परागत तरीके के प्रयोग से मिलने वाले उत्पादन की अपेक्षा 10-12 गुना अधिक मत्स्य उत्पादन मिलता है। इस विधि में तलाबों में विभिन्न आहार वाली अच्छी किस्म में कार्प प्रजातियों के मछली बीज उचित अनुपात एवं वजन मे संचयन कर जैविक एवं रसायनिक खाद का उचित मात्रा में प्रयोग किया जाता है तथा परिपूरक आहार भी दिया जाता है।

मत्स्य पालन
से बढ़ेगा मुनाफा

मत्स्य उत्पादन के संसाधन
प्रदेश में मछली पालन के लिये कुल 1.589 लाख है। जलक्षेत्र उपलब्ध है। जिसमें अब तक कुल 1.432 लाख है। जलक्षेत्र विकसित किया जा चुका है। इसमें ग्रामीण तालाबों के कुल जलक्षेत्र 0.735 लाख है। जलक्षेत्र में से 0.636 लाख है। जलक्षेत्र का विकास कर मत्स्य पालन के अंतर्गत लाया जा चुका है।

मिश्रित मछली पालन
मिश्रित मछली पालन व्यवसाय,बेरोजगार युवकों के लिये आर्थिक स्थिति में सुधार करने हेतु एक महत्वपूर्ण साधन है। मिश्रित मछली पालन अपनाने पर परम्परागत तरीके के प्रयोग से मिलने वाले उत्पादन की अपेक्षा 10-12 गुना अधिक मत्स्य उत्पादन मिलता है। इस विधि में तलाबों में विभिन्न आहार वाली अच्छी किस्म में कार्प प्रजातियों के मछली बीज उचित अनुपात एवं वजन मे संचयन कर जैविक एवं रसायनिक खाद का उचित मात्रा में प्रयोग किया जाता है तथा परिपूरक आहार भी दिया जाता है। सामान्यतः मिश्रित मछली पालन में पाली जाने वाली प्रजातियां कतला, राहू, मृगल, कामनकार्प, ग्रास कार्प, सिल्वर कार्प है। वर्तमान में मिश्रित मछली पालन ग्राम पंचायतों के तालाबों में किया जा रहा है। परंतु खाद एवं परिपूरक आहार न देने के कारण उत्पादन में समुचित वृद्धि नहीं हो रही है। अतः स्वयं की भूमि में तालाब निर्माण कराकर व उनमें, मिश्रित मछली पालन कर, लगभग 6000-8000 किग्रा/हेक्टर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। प्रदेश में वर्ष 2007-2008 तक स्वयं की भूमि में नवीन तालाब कुल 1834 तालाब जलक्षेत्र 1240.51 हेक्टर का निर्माण कर मिश्रित मछली पालन आधुनिक तरीके से किया जा रहा है।

एकीकृत मछली पालन
एकीकृत मछली पालन का पालन का आशय मछली पालन के साथ-साथ दूसरे उत्पादन जैसे बतख पालन, मुर्गीपालन, सूकर पालन एवं कृषि बागवानी के साथ समन्वयन से है। मिश्रित मछली पालन में जैविक एवं रसायनिक खाद तथा परिपूरक आहार के प्रयोग से अधिक उत्पादन के साथ-साथ उत्पादन मूल्य भी बढ़ जाता है। इस आर्थिक समस्या के समाधान के मछली पालन को विभिन्न इकाईयों जैसे- मुर्गी, बतख, कृषि बागवानी, मवेशी पालन के साथ जोड़ने की व्यवस्था की जाती है। जिससे कृषकों को मछली पालन से आय के साथ-साथ अन्य उत्पादों के समन्वयन से अतिरिक्त आय मिलती है। इस अंतरबद्धता के कारण मवेशी पालन, बागवानी या कृषि से परित्यक्त पदार्थो का उपयोग मछलियों के लिए परिपूरक आहार या खाद के रूप में उपयोग होता है तथा दूसरी ओर तालाब के जल तथा उसके बंध और मछली पालन से उत्पन्न व्यर्थ पदार्थो का उपयोग कृषि एवं मछली पालन में किया जाता है। ऐसी व्यवस्था से लागत खर्च में काफी कमी आ जाती है।

वर्तमान में उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार छत्तीसगढ़ प्रदेश में वर्ष 2008-09 तक कुल 3552 एकीकृत मत्स्य पालन की इकाईयां स्थापित की जा चुकी हैं। जिसमें बतख सह मछली पालन की 1101 इकाईयां स्थापित की गई है। इसी तरह मुर्गी सह मछली पालन की 881 इकाईयां, सूकर सह मछली पालन की 222, फलोद्यान सह मछली पालन की 424, डेयरी सह मछली पालन की 272, धान सह मछली पालन की 446, एवं बकरी सह मछली पालन की 206 इकाईयां स्थापित की जा चुकी है। मत्स्य कृषकों के रूझान को देखते हुए बतख सह मछली पालन एवं मुर्गी सह मछली पालन एवं फलोद्यान सह मछली पालन छत्तीसगढ़ में सबसे अधिक उपयोगी पाया गया है। एकीकृत मत्स्य पालन के अंतर्गत बतख सह मछली पालन से प्रोटीन उत्पादन के साथ-साथ बतखों के मलमूत्र का उचित उपयोग होता है। बतख सह मछली पालन में प्रति हेक्टर 1 वर्ष में 400 किग्रा मछली, बतख से 15000 अण्डे तथा 500 किग्रा बतख के मांस का उत्पादन किया जा सकता है। इस प्रकार से मछली पालन में न तो जलक्षेत्र मे कोई खाद, उर्वरक डालने की आवश्यकता है और न ही मछलियों को पूरक आहार देने की आवश्यकता है। मछली पालन पर लगने वाली लागत में 50-60 प्रतिशत की कमी हो जाती है।

पाली जाने वाली मछलियां एवं बतख एक दूसरे के अनुपूरक होती है। बतखें पोखर के कीड़े, मकोड़े, टेडपोल, घोंघे, जलीय वनस्पति पर नियंत्रण रखती है। बतखों को अपने भोजन का 50 प्रतिशत भाग जलक्षेत्र से ही प्राप्त हो जाता है। तालाब में बतख के तैरते रहने से वायुमंडल की आक्सीजन पानी भी मिलती रहती है। इसी प्रकार बतख सह मछली पालन से तालाब में अतिरिक्त खाद डालने की आवश्यकता नहीं पड़ती है एवं बतखों को साफ सुरक्षित परिवेश एवं उत्तम प्राकृतिक भोजन भी उपलब्ध हो जाता है। प्रति हेक्टर 200-300 नग बतख रखना पर्याप्त होता है।

मुर्गी पालन में भी पोल्ट्री लीटर को पोखर में खाद के रूप में डाला जाता है। मुर्गी सह मछली पालन से प्रति हेक्टर वर्ष 60,000 अंडे, 500-600 किग्रा, मुर्गी का मांस तथा 3500 किग्रा मछलियों का उत्पादन किया जाता है। 1 हेक्टेयर के लिए 500 मुर्गियां रखना पर्याप्त होता है। एकीकृत मछली सह मुर्गी पालन में मछली, मुर्गी के अण्डे तथा मांस की प्राप्ति से अधिक आय होती है तथा तालाबों में मछलियों के लिये अतिरिक्त फीड देने की आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि मुर्गियों द्वारा विसर्जित व्यर्थ पदार्थो में पाये जाने वाले नाइट्रोजिनस पदार्थो से इसकी पूर्ति हो जाती है। फलोद्यान सह मछली पालन में तालाब के मेढ पर अरहर, टमाटर, कुंदरू, तेल युक्त सब्जियां, पपीता, भांटा, मिर्च, लौकी, फूलों के पौधे आदि लगाये जा सकते हैं जिससे किसान सम्पूर्ण क्षेत्र का समुचित उपयोग कर अतिरिक्त आय कमा सकते हैं।

... तो खास होगी पुदीना की फसल

काला कीट : पुदीना की बेहतर फसल लेने के लिए कीटों को पहचानना और उन्हें नियंत्रित करना बेहद जरूरी है. प्रमुख कीट और उनका नियंत्रण उपाय निम्नानुसार है :-

सेमीलूपर
सूंडी पत्तियों को काटकर खाती है और गोल या टेढा छेद बनाती है।

नियंत्रण
मैलाथियान 200 से 500 मिलीलीटर या क्विनालफास 300 से 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिये।

लेस बग
यह कीट भूरे-काले रंग के होते है जिनके पंखों पर स्पष्ट रोंयें और जाल की तरह निशान बना होता है। जिसके कारण इसे लेस बग के नाम से जाना जाता है कीट का प्रौढ़ और शिशु पोदीने की कोमल पत्तियों के रस को चूसते हैं जिससे पत्तियों का रंग पीला पड़ने लगता है। ये कीट काले रंग का पदार्थ अपने शरीर से निकालते है। जिससे पत्तियाँ दूर से जली हुयी दिखाई देती है। इसके प्रकोप से बढ़वार रूक जाती है और उत्पादन बहुत कम हो जाता है।

नियंत्रण
डायमिथियेट 300-500 मिलीलीटर का घोल बनाकर छिड़काव करने से फसल को बचाया जा सकता है।

माहू
कीट कोमल तनों और ऊपरी निकलने वाली पत्तियों के पास लगकर रस चूसते है। इससे पोदीने का पौधा धीरे-धीरे कमजोर हो जाता है। कभी पोदीने में झुलसा रोग भी इस कीट के कारण फैलता है।

यह काले रंग का बीटल होता है। विकसित कीट 5-7 मिलीमीटर लम्बा होता है। पोदीने के जब केवल 5-7 पत्तियाँ निकली होती है तो यह कीट उनकी सभी पत्तियों को काटकर खा जाता है। मैलाथियान 300 से 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से पानी में घोल बनाकर छिड़काव करना चाहिये।

सफेद मक्खी
यह पौधों की निचली पत्तियों पर नीचे की सतह पर रहती है। वह पौधों से रच चूसती है तथा कीट विभिन्न प्रकार के विषाणु भी एक पौधे से दूसरे पौधे में पहुंचाते हैं।

नियंत्रण
फास्फोमिडान 200 से 400 मिली या मैलाथियान 300 से 500 मिलीलीटर प्रति हेक्टेयर की दर से पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिये।

अमे रिका ने पाकिस्तान के लिए नया लेवल-3 का यात्रा परामर्श जारी किया

नागरिकों को सूचित किया, पा किस्तान यात्रा करने से पहले एक बार सोचें, आतंकवाद का खतरा

वा शिंगटन ।

अमेरिका ने पाकिस्तान के लिए नया लेवल-3 का यात्रा परामर्श जारी किया है, जिसमें उसने नागरिकों को सूचित किया है कि देश में आतंकवादी हमले और नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर संघर्ष हो सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक नया लेवल-3 यात्रा परामर्श का मतलब है कि अमेरिकी नागरिकों को अपनी योजनाओं पर पुनर्विचार करने के लिए कहा जा रहा है, अगर वे देश की यात्रा कर रहे हैं। 4 अप्रैल को जारी यात्रा सलाहकार ने अमेरिकी नागरिकों को आतंकवाद और अपहरण के जोखिम के कारण बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांतों की यात्रा करने से रोक दिया। इसमें उन्हें एलओसी के पास के स्थानों से बचने के लिए भी कहा गया है जो आतंकवाद और सशस्त्र संघर्ष की संभावना के जोखिम का सामना करते हैं। बयान के अनुसार आतंकवादी बिना किसी चेतावनी के हमला कर सकते हैं, परिवहन केंद्रों, बाजारों, शॉपिंग मॉल, सैन्य प्रतिष्ठानों, हवाई अड्डों, विश्वविद्यालयों, पर्यटन स्थलों, स्कूलों, अस्पतालों, पूजा स्थलों और सरकारी सुविधाओं को निशाना बना सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार हालांकि बलूचिस्तान और केपी प्रांतों में हाल के महीनों में आतंकी हमले हुए हैं, लेकिन एडवाइजरी में कहा गया कि इस्लामाबाद में आतंकवादी हमले दुर्लभ हैं। हालांकि खतरे होते हैं। अमेरिकी सरकार के पास सुरक्षा वातावरण के कारण पाकिस्तान में अमेरिकी नागरिकों को आपातकालीन सेवाएं प्रदान करने की सीमित क्षमता है। पाकिस्तान में अमेरिकी सरकार के कर्मियों द्वारा यात्रा प्रतिबंधित है और अमेरिकी राजनयिक सुविधाओं के बाहर अमेरिकी सरकार के कर्मियों द्वारा आवाजाही पर अतिरिक्त प्रतिबंध किसी भी समय हो सकते हैं। स्थानीय परिस्थितियों और सुरक्षा स्थितियों के आधार पर, जो अचानक बदल सकते हैं। पेशावर में अमेरिकी महावाणिज्य दूतावास अमेरिकी नागरिकों को कोई कांसुलर सेवाएं प्रदान करने में असमर्थ है।

भारत के मामले में दोहरी नीति क्यों अपनाता है अमेरिका, उमर से सवाल का शर्मन ने दिया जवाब

वाशिंगटन ।

भारत विरोधी तेवरों के लिए पहचाने जाने वाले डेमोक्रेटिक सांसद उल्हान उमर ने अमेरिका पर दोहरी नीति अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा बाइडेन सरकार मानवाधिकारों के मुद्दे पर पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भारत सरकार की आलोचना करने से परहेज करती है। सदन की विदेश मामलों की समिति के समक्ष पेश हुई विदेश उपमंत्री वेंडी शर्मन ने उनके आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि बाइडन प्रशासन भारत समेत सभी देशों के साथ मानवाधिकारों के मुद्दे को उठाता रहा है। उन्होंने कहा मुझे लगता है कि यह बेहद महत्वपूर्ण है कि हम उन देशों के साथ बातचीत करें, जिनके साथ मानवाधिकारों पर चिंताओं को लेकर हमारे कई हित जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा हम सभ्य समाज से मुलाकात करें। हम उन मुद्दों से निपटें। हम इन मुद्दों पर काम कर रहे एनजीओ का समर्थन करें। हम पत्रकारों और पत्रकारों की आजादी का समर्थन करें। शर्मन ने कहा कि हम उन देशों में भी मानवाधिकारों के लिए आवाज उठाते रहे हैं, जहां उन देशों की सरकारों के साथ हमारे कई अन्य एजेंडा होते हैं। आवाज उठाते रहे हैं, जहां उन देशों की सरकारों के साथ हमारे कई अन्य एजेंडा होते हैं। मुझे लगता है कि आप इसे कहीं भी देखेंगे। उन्होने कहा कि जब मैं उप विदेश मंत्री के तौर पर पिछली बार भारत गई थी तो मैंने एलजीबीटीकयूआई समुदाय से मुलाकात की थी। मैं आपको बताना चाहती हूं कि पांच साल पहले ऐसी कोई बैठक नहीं होती थी। कांग्रेस सदस्य उमर के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि जब जो बाइडन राष्ट्रपति बने तो उन्होंने कहा था कि मानवाधिकार उनकी विदेश नीति के केंद्र में होगा।

मानवाधिकार उनकी विदेश नीति के केंद्र में होगा। बहरहाल, उमर जवाबों से संतुष्ट नजर नहीं आई। उन्होंने पूछा मैं असल में इसकी सराहना करती हूं और जब आपके पूर्ववर्ती यहां थे तो मैंने उनसे भी यही सवाल पूछा था।

अमेरिका बोला- भारत रूस के साथ अपनी गुटनिरपेक्ष जी-77 साझेदारी को समाप्त कर ले

वॉशिंगटन ।

भारत के रूस के साथ मधुर संबंध अमेरिका को चुभ रहे हैं। अमेरिकी उप विदेश मंत्री वेंडी शर्मन ने कहा है कि अमेरिका चाहेगा कि भारत गुटनिरपेक्ष समूह में शामिल रहे देशों के संगठन जी-77 के तहत रूस के साथ अपने संबंधों और साझेदारी को घटाये तथा गुटनिरपेक्षता का सिद्धांत छोड़ दे। शर्मन ने अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति के समक्ष यह बात कही और साथ ही इस बात पर भी जोर दिया कि भारत और अमेरिका के बीच साझेदारी बेहद महत्वपूर्ण है। बाइडेन प्रशासन ने सांसदों से कहा है कि यह समय भारत और अमेरिका के बीच रक्षा साझेदारी को और अधिक मजबूत करने का है, क्योंकि दोनों ही देशों ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र को समृद्ध और सुरक्षित बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। शर्मन ने कहा, भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र हैं। उसके साथ हमारे मजबूत रक्षा संबंध हैं। वे ऑस्ट्रेलिया और जापान के साथ क्वाड का भी हिस्सा हैं। हमने साथ मिलकर कई ऐसे कदम उठाए हैं, जो हिंद-प्रशांत क्षेत्र की समृद्धि और सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण हैं। अमेरिकी कांग्रेस के सदस्य टिम बर्चेट के एक सवाल के जवाब में शर्मन ने कहा, हम स्पष्ट रूप से ऐसा चाहेंगे कि भारत रूस के साथ अपनी गुटनिरपेक्ष जी-77 साझेदारी को समाप्त कर ले। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने भारतीय अधिकारियों से कहा है कि प्रतिबंधों के कारण रूस से रक्षा और तकनीकी उपकरणों के कलपुर्जे हासिल करना या उन्हें बदलना भारत के लिए अब बहुत मुश्किल होगा। अमेरिकी उप विदेश मंत्री ने कहा, भारत ने हमारे साथ अपने रक्षा संबंधों को मजबूत कर रक्षा उपकरणों की खरीद और उनके सह-उत्पादन के प्रयासों को बढ़ाया है।

टोरंटो में भारतीय छात्र की हत्या पर विदेश मंत्री ने शोक जताया

न्यूयॉर्क ।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने टोरंटो में 21 वर्षीय भारतीय छात्र की हत्या पर शोक जताया है। गोलीबारी में घायल होने के बाद छात्र की मौत हो गई थी। टोरंटो पुलिस सेवा को सात अप्रैल को स्थानीय उपनगर स्टेशन पर गोलीबारी की सूचना मिली थी। स्टेशन के प्रवेश द्वार पर कार्तिक वासुदेव को गोलियां मारी गई थीं। मौके पर प्राथमिक उपचार देने के बाद वासुदेव को अस्पताल ले जाया गया था, जहां उसने दम तोड़ दिया। जयशंकर ने ट्वीट कियो कि इस घटना से बेहद दुखी हूं। ` कि हम टोरंटो में गोलीबारी की घटना में भारतीय छात्र कार्तिक वासुदेव की दुर्भाग्यपूर्ण हत्या से स्तब्ध और व्यथित हैं। महावाणिज्य दूतावास ने कहा ` कि परिवार के साथ संपर्क में हैं और शव को जल्द परिजनों को सौंपने के लिए हर संभव मदद प्रदान करेंगे।

परिवार के प्रति संवेदनाएं। टोरंटो पुलिस ने कहा कि जांचकर्ता उन गवाहों की तलाश कर रहे हैं, साथ ही वहां लगे कैमरे के फुटेज की भी जांच की जा रही है। जो घटना के समय इलाके में मौजूद थे, साथ ही वहां लगे कैमरे के फुटेज की भी जांच की जा रही है। टोरंटो में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने एक ट्वीट कर कहा ` कि हम टोरंटो में गोलीबारी की घटना में भारतीय छात्र कार्तिक वासुदेव की दुर्भाग्यपूर्ण हत्या से स्तब्ध और व्यथित हैं। महावाणिज्य दूतावास ने कहा ` कि परिवार के साथ संपर्क में हैं और शव को जल्द परिजनों को सौंपने के लिए हर संभव मदद प्रदान करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

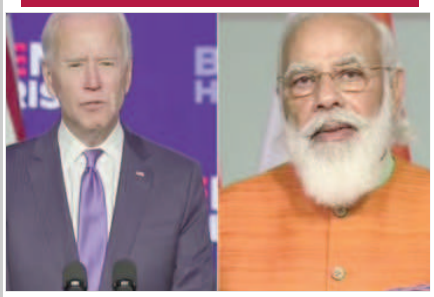

भारत के साथ अमेरिका की साझेदारी को अहम मानते हैं बाइडन : जेस साकी

वाशिंगटन । राष्ट्रपति जो बाइडन, अमेरिका की भारत के साथ साझेदारी को बेहद महत्वपूर्ण मानते हैं। 11 अप्रैल को भारत और अमेरिका के बीच होने वाली टू प्लस टू वार्ता की जानकारी देते हुए व्हाइट हाउस की प्रेस सक्रेटरी जेन साकी ने कहा कि अमेरिका के लिए भारत बेहद महत्वपूर्ण है। 11 अप्रैल को होने वाली टू प्लस टू वार्ता में दोनों देशों के रक्षा मंत्री और विदेश मंत्री हिस्सा लेंगे। भारतीय प्रतिनिधिमंडल के रूप में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर अमेरिका जाएंगे और इस वार्ता में हिस्सा लेंगे। प्रेस सेक्रेटरी ने कहा राष्ट्रपति को उम्मीद है कि इस वार्ता से भारत के साथ अमेरिका के काम तो जारी रहेंगे ही साथ ही हिंद प्रशांत क्षेत्र में साझा लक्ष्यों का भी विकास होता रहेगा। जेन साकी ने यह भी कहा हमें लगता है कि यूक्रेन के खिलाफ रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की कार्रवाई व बढ़ती महंगाई जैसी समस्याओं से निपटने के लिए दोनों देशों के बीच आपसी समन्वय जारी रहेगा। उन्होंने आगे कहा कि टू प्लस टू वार्ता में यकीनन कई विषयों को शामिल किया जा सकता है लेकिन हम उम्मीद करते हैं कि इन मुद्दों पर प्रमुखता से बात होगी।

चीन के राष्ट्रपति शी ने कोरोना महामारी के खिलाफ कठोर नीति का किया बचाव

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने कहा कि चीन के लक्षित एवं प्रभावी कोविड-19 रोकथाम एवं नियंत्रण उपायों ने शीतकालीन ओलंपिक खेलों के सुरक्षित व सुगम आयोजन को सुनिश्चित किया। शंघाई और देश के अन्य शहरों में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ने के बीच महामारी के खिलाफ अपने देश की कठोर नीति का बचाव करते हुए उन्होंने यह कहा। शी ने कहा ` कि दुनिया भर में फैली कोविड-19 महामारी की पृष्ठभूमि में हमने (ओलंपिक में) सभी प्रतिभागियों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता दी, नयी महामारी पैदा करने का कारण बनने से रोकने के लिए देश में कोरोना वायरस के पुनःप्रवेश को रोका और रोकथाम एवं नियंत्रण उपायों को सख्ती से लागू किया। बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक खेलों और पैरा-ओलंपिक शीतकालीन खेलों में शानदार प्रदर्शन करने वालों को सम्मानित करने के लिए आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने जोर देते हुए कहा कि चीन की कोविड रोधी नीति वक्त की कसौटी पर एक बार फिर से खरी उतरी। इसने (नीति ने) अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों की मेजबानी करने में योगदान दिया। जैसा कि कुछ विदेशी एथलीट ने कहा कि यदि महामारी के खिलाफ कोई स्वर्ण पदक होता, तो चीन इसका हकदार था। शुक्रवार को चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने देश में कोविड के 24,100 से अधिक मामले दर्ज किए।

लाल सागर में तेल का रिसाव रोकने के लिए यूएन ने आठ करोड़ डॉलर की मदद मांगी

जेनेवा । संयुक्त राष्ट्र ने दान देने वाले देशों से युद्धग्रस्त यमन के तट पर 1988 से फंसे एक टैंकर से 10 करोड़ बैरल कच्चे तेल को निकालने के लिए आपातकालीन अभियान चलाने के वास्ते आठ करोड़ डॉलर देने का आग्रह किया है। इस टैंकर में विस्फोट या तेल रिसाव होने का खतरा है, जिससे लाल सागर और उसके आसपास बड़ी पर्यावरणीय आपदा उत्पन्न हो सकती है। यमन के लिए संयुक्त राष्ट्र के मानवीय सहायता समन्वयक डेविड ग्रेसली ने कहा कि 'एफएसओ सैफर टैंकर' एक 'टाइम बम' है, क्योंकि इससे बड़ा पैमाने पर तेल रिसाव होने की आशंका है, जिससे एक ऐसे देश में बड़े पैमाने पर पारिस्थितिक तथा मानवीय संकट पैदा हो सकता है, जो पहले से ही युद्ध से प्रभावित है। उन्होंने कहा अगर अगले छह सप्ताह में यह राशि एकत्रित नहीं हुई और समय पर अभियान शुरू नहीं किया गया तो यह खतरा लगातार बढ़ता जाएगा।

अभी खत्म नहीं हुई महामारी, एशिया में बड़े पैमाने पर आ रहे कोरोना मरीज : गुतारेस

जेनेवा । संयुक्त राष्ट्र संघ महासचिव ने कहा कि औसतन हर चार माह में सार्स-कोव-2 वायरस का एक नया स्वरूप सामने आ रहा है। एंतोनियो गुतारेस ने आगाह किया है कि कोविड-19 महामारी अभी खत्म नहीं हुई है। एशिया में अब भी बड़े पैमाने पर कोरोना संक्रमण के मामले सामने आ रहे हैं। गुतारेस ने सरकारों और दवा कंपनियों से हर जगह, हर व्यक्ति तक टीके पहुंचाने के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया है। यूएन महासचिव ने गावी कोवैक्स एडवांस मार्केट कमिटमेंट समिट-2022 में दिए एक वीडियो संदेश 'वन वर्ल्ड प्रोटेक्टेड-ब्रेक कोविड नाउ' में कहा, यह बैठक इस बात की याद दिलाने के लिए महत्वपूर्ण है कि कोविड-19 महामारी अभी खत्म नहीं हुई है। रोजाना औसतन 15 लाख नए मामले सामने आ रहे हैं। एशिया में बड़े पैमाने पर मरीज मिल रहे हैं। पूरे यूरोप में एक नयी लहर फैल रही है। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस के ओमीक्रोन स्वरूप ने सबको हैरत में डाल दिया था और उच्च टीकाकरण दर के अभाव में वायरस कितनी जल्दी उत्परिवर्तित होकर फैल सकता है।

विवाह समारोह में भारतीय मूल के दो लोगों ने मेहमानों पर चाकुओं से हमला किया

सिंगापुर । सिंगापुर में एक विवाह समारोह में दो लोगों पर चाकू से हमला करने का भारतीय मूल के दो व्यक्तियों पर आरोप लगाया गया। रिमांड पर लिए गए 20 वर्षीय मुहम्मद साजिद सलीम और 19 वर्षीय निस्वान थिरुचेलवम वीडियो लिंक के माध्यम से जिला अदालत में पेश हुए। बून ले ड्राइव परिसर में बुधवार को एक कार पार्किंग में आरोपियों ने प्रवीण राज चनथिरन पर चाकू से हमला किया था। दोषी पाए जाने पर दोनों आरोपियों को कैद, जुर्माना और बेंत से पीटने की सजा सुनाई जा सकती है। आरोपियों को निगरानी कैमरों की मदद से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने घायलों की उम्र नहीं बतायी, हालांकि उन्होंने पहले बताया था कि आरोपियों ने 22, 23 साल के दो लोगों पर हमला किया है। दुल्हन युरोशिनी जोसेफिन (25) और दूल्हे इमैनुएल रवि (26) के विवाह की रस्म के दौरान दूल्हे को फोन आया कि शादी में शामिल उसके दोस्तों पर हमला किया गया है। विवाह की रस्म के दौरान दूल्हे को फोन आया कि शादी में शामिल उसके दोस्तों पर हमला किया गया है। घायल प्रवीण अब भी अस्पताल में भर्ती है और उसके कई ऑपरेशन होंगे। दूसरे घायल व्यक्ति सरन कुमार को शुक्रवार सुबह अस्पताल से छुट्टी मिल गई।

टोक्यो के इइकुरा गेस्ट हाउस में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान बात करते फिलीपीन के रक्षा सचिव डेल्फिन लोरेंजाना

शहबाज ने अध्यक्ष से कोर्ट के फैसले के अनुरूप नेशनल असेंबली का सत्र चलाने को कहा

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता शहबाज शरीफ ने शनिवार को सदन के अध्यक्ष से सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार सत्र आयोजित कराने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा विपक्ष कानूनी और संवैधानिक प्रक्रिया का पालन करते हुए 'निर्वाचित' प्रधानमंत्री को सत्ता से बेदखल कर देगा। पाकिस्तान की संसद में उच्चतम न्यायालय के ऐतिहासिक फैसले के मद्देनजर प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान के लिए अहम सत्र शुरू होने से कुछ मिनटों बाद उन्होंने यह बयान दिया। नेशलन असेंबली का सत्र सुबह ठीक साढ़े 10 बजे शुरू हुआ। अध्यक्ष असद कैसर ने कहा सदन को इमरान सरकार के खिलाफ कथित 'विदेशी साजिश' के बारे में चर्चा करानी चाहिए। हालांकि, उनके इस सुझाव का विपक्षी सदस्यों ने जोरदार विरोध किया। शरीफ (70) ने अध्यक्ष से अदालत के निर्देशों के अनुसार सत्र चलाने का आह्वान किया और कहा कि संसद आज इतिहास लिखने जा रहा है। उन्होंने ऐलान किया संसद एक निर्वाचित प्रधानमंत्री को संवैधानिक तरीके से हराने जा रहा है। शरीफ ने अध्यक्ष से कहा कि जो बीत गया, उसे छोड़ दिया जाए और कानून तथा संविधान के लिए खड़ा हुआ जाए। उन्होंने अध्यक्ष से अपनी भूमिका निभाने और 'इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अपना नाम दर्ज कराने' का आग्रह किया। शरीफ ने कैसर से अनुरोध किया, आपको अपने दिल और दिमाग से तथा पूरे विश्वास के साथ इस मौके का फायदा उठाना चाहिए। निर्वाचित प्रधानमंत्री के हुक्म का पालन नहीं करना चाहिए। अध्यक्ष ने शरीफ को आश्वस्त किया कि वह कानून और संविधान के अनुसार कार्यवाही का संचालन करेंगे। उन्होंने कहा कि लेकिन महत्वपूर्ण उन्होंने कहा कि लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि जिस अंतरराष्ट्रीय बात यह है कि जिस अंतरराष्ट्रीय साजिश की बात की जा रही है, उस पर भी चर्चा होनी चाहिए। कैसर की इस टिप्पणी का विपक्षी सदस्यों ने विरोध किया। इस पर शरीफ ने अध्यक्ष से कहा कि अगर वह सही रास्ते पर नहीं चलते हैं तो वह अदालत के निर्देशों का उल्लंघन करेंगे। उन्होंने सत्र आयोजित किए जाने से संबंधित अदालत के निर्देशों को भी पढ़ा।

ऑस्कर ने विल स्मिथ पर 10 साल का प्रतिबंध लगाया

लॉस एंजिलिस । ऑस्कर अवॉर्ड समारोह में मेजबान क्रिस रॉक को थप्पड़ मारने को लेकर एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स ने अभिनेता विल स्मिथ पर ऑस्कर या अकादमी के किसी भी अन्य सामरोह में शामिल होने पर 10 साल का प्रतिबंध लगा दिया है। स्मिथ की हरकत पर अकादमी के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की बैठक के बाद यह फैसला किया गया है। हालांकि फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि उन्हें भविष्य में इन पुरस्कारों के लिए नामित किया जाएगा या नहीं। अकादमी ने कहा ` कि 94वें ऑस्कर अवॉर्ड समारोह का आयोजन हमारे समुदाय के उन अनेक लोगों के लिए किया गया था, जिन्होंने पिछले एक वर्ष में अविश्वसनीय काम किया। हालांकि स्मिथ के अस्वीकार्य और गलत व्यवहार ने उन पलों को खराब कर दिया। उधर, स्मिथ ने प्रतिबंध पर कहा ` कि मैं अकादमी के फैसले का सम्मान करता हूं। उन्होंने पिछले सप्ताह ही अकादमी से इस्तीफा दे दिया था। इससे पहले हुई बैठक में अकादमी ने कहा था कि स्मिथ ने अपनी हरकत से आचरण से जुड़े उसके मानकों का उल्लंघन किया है, जिसके तहत अनुचित रूप से शारीरिक संपर्क करना, अपशब्द कहना या धमकाना एकेडमी की प्रतिष्ठा के खिलाफ है। अकादमी ने क्रिस रॉक से माफी भी मांगी थी। गौरतलब है कि 27 मार्च को आयोजित ऑस्कर अवॉर्ड सामरोह में सर्वश्रेष्ठ फीचर डॉक्यूमेंटरी श्रेणी के लिए ऑस्कर पुरस्कार देते हुए रॉक ने स्मिथ की पत्नी एवं अभिनेत्री जेडा पिंकेट स्मिथ का मजाक उड़ाया था। इसके बाद स्मिथ ने मंच पर आकर रॉक को थप्पड़ मार दिया था, जो ऑस्कर के इतिहास में सबसे हैरतअंगेज घटनाओं में से एक है। अभिनेता के पुरस्कार से नवाजा गया था।

रक्षा उपकरणों एवं उर्वरक के लिए रूस पर भारत की निर्भरता अधिक: पूर्व अमेरिकी राजनयिक

वाशिंगटन ।

अगले सप्ताह होने वाली टू प्लस टू मंत्रिस्तरीय बैठक से पूर्व एक शीर्ष अमेरिकी राजनयिक ने कहा है कि उर्वरकों जैसी कुछ अन्य जरूरी चीजों की आपूर्ति के साथ बड़े रक्षा उपकरणों के लिए रूस पर भारत की निर्भरता बहुत अधिक है। अमेरिका की विदेश उपमंत्री विंडी शर्मन ने प्रतिनिधि सभा की विदेश विषयक समिति के सामने रूस पर भारत के रूख तथा यूक्रेन के मुद्दे पर संयुक्त राष्ट्र में (मतदान के दौरान) उसकी बार-बार गैरहाजिरी के बारे में पूरी स्थिति विस्तार से रखी। शर्मन ने समिति के अध्यक्ष ग्रेगरी मीक्स के एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा ` कि मैं आपसे सहमत हूं, मैं उसे संयुक्त राष्ट्र में प्रस्ताव के पक्ष में राजी करता और हमने जितना हो सकता है, उससे सीधी बात की है। विदेश मंत्री (एंटनी) ब्लिंकन नियमित आधार पर विदेश मंत्री एस जयशंकर से बातचीत करते हैं। उन्होंने कहा ` कि हम अपनी चिंताए बड़ी साफगोई से रख रहे हैं लेकिन भारत का रूस के साथ संबंध का एक इतिहास है।उसके ज्यादातर रक्षा उपकरण मूल रूप से रूस से थे। उसके ज्यादातर रक्षा उपकरण मूल रूप से रूस से थे। उसके ज्यादातर रक्षा उपकरण मूल रूप से रूस से थे। वह उर्वरक के लिए रूस पर निर्भर करता है, जो उसके कृषि विकास के लिए अहम है। उन्होंने कहा ` कि यह कहना ठीक नहीं है कि उसने जो चुनाव किया, उससे हम खुश हैं। हमने उनसे कहा कि पाबंदियों के चलते वह रूसी उपकरण हासिल नहीं कर पाएंगे। वह अपने उपकरण या हथियारों की मरम्मत नहीं करवा पाएंगे। शर्मन ने सांसदों से कहा कि अमेरिका ने भारत के साथ मजबूत रक्षा संबंध बनाया है, जो अमेरिकी रक्षा समुदाय, उसकी रक्षा बिक्री एवं भारत के साथ संयुक्त सहयोग के लिए अहम है।

संपादकीय

संकट टला नहीं

भले ही भारत में कोविड-19 की तीसरी लहर व्यावहारिक तौर पर खात्मे पर है और देश समग्र रूप में सामान्य स्थिति की ओर लौट रहा है, लेकिन फिर भी हम नहीं कह सकते हैं कि इस महामारी का अंत हो चुका है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने ओमीक्रॉन वेरिएंट के एक नये स्वरूप एक्स.ई को लेकर चिंता जतायी है जो पिछले स्ट्रेन की तुलना में ज्यादा संक्रामक है। जो पहले-पहले ब्रिटेन में देखा गया और अब पूरी दुनिया में तेजी से पैर पसार रहा है। भारत में ओमीक्रॉन ने तीसरी लहर के रूप में दस्तक दी थी जिसकी संक्रमण दर डेल्टा वेरिएंट की तुलना में बेहद अधिक थी, हालांकि इसके चलते मृत्यु दर में कमी रही। डेल्टा वेरिएंट की घातकता के चलते लाखों लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा था। लेकिन इसके बावजूद तीव्र संक्रामकता के चलते नया वेरिएंट एक्स.ई ज्यादा चुनौती पैदा कर सकता है। विश्व के स्वास्थ्य संगठन चेता रहे हैं कि नये वेरिएंट की वजह से स्वास्थ्य आपातकाल जैसी स्थिति बनी हुई है। ऐसे में जांच व निगरानी में किसी भी तरह की शिथिलता भविष्य में संकट की स्थिति पैदा कर सकती है। हम यह न भूलें कि भारत दुनिया में कोविड-19 से सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में शामिल रहा है। फिलहाल अमेरिका में डेढ़ करोड़, यू.के में 19 लाख व रूस में पांच लाख संक्रमितों के मुकाबले भारत में संक्रमितों की संख्या महज ग्यारह हजार होना बताता है कि भारत में कोरोना जांच में शिथिलता आई है। यही वजह है कि केंद्र सरकार ने मास्क की अनिवार्यता खत्म करने के बावजूद कोरोना के खिलाफ नये सिरे से लड़ाई तेज करने का मन बनाया है। इसके लिये केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने आगामी दस अप्रैल से दस से अट्ठारह वर्ष से अधिक आयु वर्ग के सभी लोगों को कोरोनारोधी डोज लगाने का फैसला किया है। यह बूस्टर डोज निजी टीकाकरण केंद्रों पर लगाई जायेगी। यह डोज उन लोगों को लगाई जा सकेगी, जिन्हें दूसरी डोज लगे नौ महीने हो चुके हैं।

दरअसल, भविष्य में किसी भी चुनौती से मुकाबले के लिये सरकार ने अब लड़ाई मजबूत करने का मन बनाया है। सरकार का दावा है कि वह सभी आयु वर्गों की संवेदनशीलता को देखते हुए टीकाकरण अभियान चला रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि देश में अब तक 15 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के 96 फीसदी लोगों को कोविड टीके की एक डोज तथा 83 फीसदी को दोनों डोज दी जा चुकी हैं। वहीं दूसरी ओर साठ वर्ष से अधिक आयु वर्ग तथा अग्रिम मोर्चे के कर्मचारियों को 2.4 करोड़ डोज देने की बात केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय कर रहा है। सरकार कह रही है कि वंचित आबादी के लिये सरकारी टीकाकरण केंद्रों के जरिये निशुल्क मुफ्त टीकाकरण जारी रहेगा, जिसके जरिये स्वास्थ्यकर्मी, अग्रिम मोर्चे के कर्मचारियों तथा साठ वर्ष से अधिक आयु के लोगों के लिये बूस्टर डोज दी जाती रहेगी। निस्संदेह सरकार के स्तर पर और नागरिकों के स्तर पर किसी आसन्न संकट के प्रति पूरी सजगता जरूरी है, यह जानते हुए कि विगत में हम उन देशों में शुमार रहे हैं, जिन्होंने संक्रमण की सबसे ज्यादा कीमत चुकाई। कोविड प्रतिबंधों में ढील के ये मायने कतई नहीं हैं कि एक नागरिक के स्तर पर हम लापरवाही बरतने लगें। हमें इस अवस्था में जांच का दायरा बढ़ाना होगा, जिससे हम किसी नये वैरिएंट का समय रहते मुकाबला कर सकें। सार्वजनिक जीवन में सुरक्षित दूरी व अन्य उपायों के प्रति हम हद दर्जे तक लापरवाह हो गये हैं। इस तरह की लापरवाही आने वाले दिनों में वायरस से निबटने के सरकारी प्रयासों को पलीता लगा सकती है। एशिया व यूरोप के कई देशों में कोविड संक्रमण के मामलों में आ रही तेजी बताती है कि सजग-सतर्क रहने की जरूरत है। अतीत के अनुभव बताते हैं कि हमारी चूक से स्थिति नियंत्रण से बाहर हो सकती है तो कोविड रोधी व्यवहार व बूस्टर डोज कारगर साबित हो सकते हैं। भयभीत होने के बजाय सावधानी जरूरी है।

रूस को पहला झटका

यूक्रेन के बुचा में हुए नरसंहार को रूस प्रोपेगैंड़ा कहकर ठुकराता रहा, लेकिन वैश्विक बिरादरी में उठी गुस्से की लहर को वह किसी भी तरह से मोड़ नहीं पाया। इसके परिणामस्वरूप संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद की रूस की सदस्यता रद्द कर दी गई। 193 सदस्य देशों में से 93 ने प्रस्ताव के समर्थन में वोट किया। 24 देशों ने रूस के समर्थन में इस प्रस्ताव के खिलाफ मतदान कियाग लेकिन भारत सहित 58 देशों ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। इससे प्रस्ताव को दो तिहाई समर्थन मिला और रूस की सदस्यता के निलंबन की पुष्टि हो गई। संयुक्त राष्ट्र में यूक्रेन पर हमले के बाद से रूस के खिलाफ यह तीसरा प्रस्ताव था। फर्क इतना ही पड़ा है कि इस बार रूस के समर्थन में चीन के साथ मतदान करने वाले देशों की संख्या बढ़ी है। चीन पहले दो प्रस्तावों पर मतदान से गैरहाजिर रहा था, लेकिन गुरु वार को उसने रूस के समर्थन में मतदान किया। पिछले दो प्रस्तावों पर क्रमशः 141 और 140 सदस्यों ने रूस के खिलाफ मतदान किया था जो इस बार घटकर सिर्फ 93 रह गया। 47 सदस्यीय मानवाधिकार परिषद में रूस अपनी तीन साल की सदस्यता के दूसरे साल में था। मतदान के बाद रूस के प्रतिनिधि ने प्रक्रिया की वैधता पर सवाल उठाए। इसे अवैध और राजनीति से प्रेरित बताते हुए रूस ने मानवाधिकार परिषद से पूरी तरह बाहर रहने का फैसला किया है। चीन ने इसे जल्दबाजी में उठाया गया कदम बताया। रूस का कहना था कि यूक्रेन में विशेष सैन्य अभियान चल रहा है, जिसका मकसद मानवाधिकारों उल्लंघन रोकना और नाजी विचारधारा को खत्म करना है। उसने नरसंहार के आरोपों को गलत बताया। इस मतदान में रूस की चेतावनी की परवाह न करते हुए भारत ने गैरहाजिर रहने का फैसला किया और कहा कि शांति का पक्ष ही भारत का पक्ष है और हिंसा को फौरन रोका जाना चाहिए मगर युद्ध को लेकर भारत का कूटनीतिक असमंजस भी बढ़ता जा रहा है। भारत पर दबाव बढ़ाते बढ़ाते अमेरिका धमकियों कर उतर आया है। मानवाधिकार परिषद से सदस्यता के निलंबन के मामले बहुत कम हुए हैं। 2011 में लीबिया को निलंबित किया गया था। मानवाधिकार परिषद के फैसले किसी देश के लिए बाध्यकारी नहीं होते, लेकिन उनका प्रतीकात्मक महत्व होता है। परिषद किसी मामले की जांच जरूर करा सकती है।

चिंतन-मनन

निराशा से होती है हार

नियति प्रम के निरंतर उल्लंघन से प्रकृति का अदृश्य वातावरण भी इन दिनों कम दूषित नहीं हो रहा है। भूकम्प, तूफान, बाढ़, विद्रोह, अपराध, महामारियां आदि पर नियंत्रण पाना कैसे संभव होगा, समझ नहीं आता। किंकर्तव्यविमूढ़ स्थिति में पहुंचा हतप्रभ व्यक्ति प्रमशः अधिक निराश होता है। इतना साहस और पराक्रम तो विरलों में होता है, जो आंधी, तूफानों के बीच भी आशा का दीपक जलाए रह सकें, गतिशीलता में कमी न आने दें। ऐसे व्यक्तियों को महामानव-देवदूत कहा जाता है पर वे यदाकदा ही प्रकट होते हैं। आज जनसाधारण का मानस ऐसे ही दलदल में फंसा है। होना तो चाहिए था कि अनौचित्य के स्थान पर औचित्य को प्रतिष्ठित करने के लिए साहसिक पुरुषार्थ जगता पर लोक मानस में उस स्तर का उच्च स्तरीय उत्साह नहीं उभर रहा है।

इन परिस्थितियों में साधारण जनमानस का निराश होना स्वाभाविक है। समझ लेना चाहिए कि निराशा हल्के दर्जे की बीमारी नहीं है, वह जहां भी जड़ जमाती है, घुन की तरह मजबूत शहतीर को भी खोखला करती जाती है। निराशा अपने साथ हार जैसे मान्यता संजोए रहती है। इतने दबावों से दबा आदमी स्वयं तो टूटता ही है, साथियों को भी तोड़ता है। इससे शक्ति का अपहरण होता है, जीवनी शक्ति जबाव दे जाती है, तनाव बढ़ते जाने से उद्विग्नता बनी रहती है और ऐसे रचनात्मक उपाय नहीं दिखते, जिनके सहारे तेज बहाव वाली नाव खेकर पार पाया जाता है। निराश व्यक्ति जीत की संभावना नकारने के कारण जीती बाजी हारते हैं। निराशा न किसी गिरे को ऊंचा उठने देती है और न प्रगति की किसी योजना को क्रियान्वित होने देती है। अस्तु, निराशा को छोटी बात न मानकर उसके निराकरण का हर क्षेत्र में प्रयत्न होता रहे। जहां भी निराशा का माहौल हो, उसके निराकरण का हर संभव उपाय करना चाहिए। इसका उपचार यही है कि प्रतिरोध में समर्थ चिंतन और पुरुषार्थ के लिए जन-जन की विचारशक्ति को उत्तेजित किया जाए। उज्ज्वल भविष्य की संभावनाओं पर ध्यान देने और उन्हें समर्थ बनाने के लिए जिस मनोवृत्ति को उत्साहपूर्ण प्रश्रय मिलना चाहिए, उसके लिए आवश्यक पृष्ठभूमि तैयार की जाए।

सत्य, न्याय एवं सदाचार के प्रतीक श्रीराम

'रामराज्य' यानी सुख, शांति एवं न्याय का राज्य। रामनवमी पर्व वास्तव में मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्रीराम की गुरू सेवा, माता-पिता की सेवा व आज्ञापालन, जात-पात के भेदभाव को मिटाने, क्षमाशीलता, भ्रातृप्रेम, पत्नीव्रता, न्यायप्रियता आदि विभिन्न महान् आदर्शों एवं गुणों को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा देता है।

योगेश कुमार गोयल

भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के रूप में प्रतिवर्ष चैत्र मास की शुक्ल पक्ष नवमी को रामनवमी का त्योहार समूचे भारतवर्ष में अपार श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया जाता है। इस दिन श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या में उत्सवों का विशेष आयोजन होता है, जिनमें भाग लेने के लिए देशभर से हजारों भक्तगण अयोध्या पहुंचते हैं तथा अयोध्या स्थित सरयू नदी में पवित्र स्नान कर पंचकोसी की परिक्रमा करते हैं। समूची अयोध्या नगरी इस दिन पूरी तरह राममय नजर आती है और हर तरफ भजन-कीर्तनों तथा अखण्ड रामायण के पाठ की गूंज सुनाई पड़ती है। देशभर में अन्य स्थानों पर भी जगह-जगह इस दिन श्रद्धापूर्वक हवन, व्रत, उपवास, यज्ञ, दान-पुण्य आदि विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जाता है।

विभिन्न हिन्दू धर्मग्रंथों में कहा गया है कि श्रीराम का जन्म नवरात्र के अवसर पर नवदुर्गा के पाठ के समापन के पश्चात हुआ था और उनके शरीर में मां दुर्गा की नवीं शक्ति जागृत थी। मान्यता है कि त्रेता युग में इसी दिन अयोध्या के महाराजा दशरथ की पटरानी महारानी कौशल्या ने मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम को जन्म दिया था। वाल्मिकी रामायण के अनुसार, 'भगवान श्रीराम चन्द्रमा के समान अति सुंदर, समुद्र के समान गंभीर और पृथ्वी के समान अत्यंत धैर्यवान थे तथा इतने शील सम्पन्न थे कि दुखों के आवेश में जीने के बावजूद कभी किसी को कटु वचन नहीं बोलते थे। वे अपने माता-पिता, गुरूजनों, भाईयों, सेवकों, प्रजाजनों अर्थात् हर किसी के प्रति अपने स्नेहपूर्ण दायित्वों का निर्वाह किया करते थे। माता-पिता के प्रति कर्तव्य पालन एवं आज्ञा पालन की भावना तो उनमें कूट-कूटकर भरी थी। उनकी कठोर से कठोर आज्ञा के पालन के लिए भी वह हर समय तत्पर रहते थे।'

श्रीराम का चरित्र बेहद उदार प्रवृत्ति का था। उन्होंने उस अहिल्या का भी उद्धार किया, जिसे उसके पति ने देवराज इन्द्र द्वारा छलपूर्वक उसका शीलभंग किए जाने के कारण पतित घोषित कर पत्थर की मूर्त बना दिया था। जिस अहिल्या को निर्दोष मानकर किसी ने नहीं अपनाया, उसे भगवान श्रीराम ने अपनी छत्रछाया प्रदान की। लोगों को गंगा नदी पार कराने वाले एक मामूली से नाविक केवट की अपने प्रति अपार श्रद्धा व भक्ति से प्रभावित होकर भगवान श्रीराम ने उसे अपने छोटे भाई का दर्जा दिया और उसे मोक्ष प्रदान किया। अपनी परम भक्त शबरी नामक भीलनी के जूठे बेर खाकर शबरी का कल्याण किया।

महारानी केकैयी ने महाराजा दशरथ से जब राम को 14 वर्ष का वनवास दिए जाने और अपने लाडले पुत्र भरत को राम की जगह राजगद्दी सौंपने का वचन मांगा तो दशरथ गंभीर धर्मसंकट में फंस गए थे। वह बिना किसी कारण राम को 14 वर्ष के लिए वनों में भटकने के लिए भला कैसे कह सकते थे और श्रीराम में तो वैसे भी उनके प्राण बसते थे। दूसरी ओर वचन का पालन करना रघुकुल की मर्यादा थी। ऐसे में जब श्रीराम को माता कैकैयी द्वारा यह वचन मांगने और अपने पिता महाराज दशरथ के इस धर्मसंकट में फंसे होने का पता चला तो उन्होंने खुशी-खुशी उनकी यह कठोर आज्ञा भी सहज भाव से शिरोधार्य की और उसी समय 14 वर्ष का वनवास भोगने तथा छोटे भाई भरत को राजगद्दी सौंपने की तैयारी कर ली। श्रीराम द्वारा लाख मना किए जाने पर भी उनकी पत्नी सीता जी और अनुज लक्ष्मण भी उनके साथ वनों में निकल पड़े।

वनवास की यात्रा की शुरूआत श्रृंगवेरपुर नामक स्थान से प्रारंभ कर वहां से वे भारद्वाज मुनि के आश्रम में चित्रकूट पहुंचे। उसके बाद विभिन्न स्थानों की यात्रा के दौरान पंचवटी में उन्होंने अपनी कुटिया बनाने का निश्चय किया। यहीं पर रावण की बहन शूर्पनखा की नाक काटे जाने की घटना हुई। उसी घटना के कारण वहां खर-दूषण सहित 14000 राक्षस राम-लक्ष्मण के हाथों मारे गए। यहीं से श्रीराम व लक्ष्मण की अनुपस्थिति में लंका का राजा रावण माता सीता का अपहरण कर उन्हें अपने साथ लंका ले गया।

कहा जाता है कि जब सीता का विरह श्रीराम से नहीं सहा गया तो उन्होंने साधारण मनुष्य की भांति विलाप किया लेकिन हिम्मत न हारते हुए सीता जी की खोज में राम-लक्ष्मण जंगलों में भटकने लगे। इसी दौरान उनकी भेंट हनुमान से हुई, जिन्होंने राम-लक्ष्मण को वानरराज बाली के छोटे भाई सुग्रीव से मिलाया, जो उस समय बाली के भय से यहां-वहां छिपता फिर रहा था। श्रीराम ने बाली का वध कर सुग्रीव तथा बाली के पुत्र अंगद को किष्किंधा का शासन सौंपा और उसके बाद सुग्रीव की वानर सेना के नेतृत्व में लंका पर आक्रमण कर देवताओं पर भी विजय पाने वाले महाप्रतापी, महाबली, महापंडित तथा भगवान शिव के घोर उपासक लंका नरेश राक्षसराज रावण का वध कर सीता को उसके बंधन से मुक्त कराया। लंका पर खुद अपना अधिकार न जमाकर लंका का शासन रावण के छोटे भाई विभीषण को सौंप दिया तथा वनवास की अवधि समाप्त होने पर भैया लक्ष्मण, सीता जी व हनुमान सहित अयोध्या लौट आए।

वास्तव में विधि के विधान के अनुसार राम को दुष्ट राक्षसों का विनाश करने के लिए ही वनवास मिला था। उन्होंने अपने मानव अवतार में न तो भगवान श्रीकृष्ण की भांति रासलीलाएं कीं और न ही कदम-कदम पर चमत्कारों का प्रदर्शन किया बल्कि उन्होंने सृष्टि के समक्ष अपने क्रियाकलापों के जरिये ऐसा अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया, जिसकी वजह से उन्हें 'मर्यादा पुरूषोत्तम' कहा गया।

जहां तक राम-रावण के बीच हुए भीषण युद्ध की बात है तो वह सिर्फ दो राजाओं के बीच का सामान्य युद्ध नहीं था बल्कि दो विचारधाराओं का संघर्ष था, जिसमें एक मानव संस्कृति थी तो दूसरी राक्षसी संस्कृति। एक ओर क्षमादान की भावना को महत्व देने वाले व जनता के दुख-दर्द को समझने एवं वीतरागी भाव थे तो दूसरी ओर सबकुछ हड़प लेने की राक्षसी प्रवृत्ति। रावण अन्याय, अत्याचार व अनाचार का प्रतीक था तो श्रीराम सत्य, न्याय एवं सदाचार के। यही नहीं, सीताजी के अपहरण के बाद भी श्रीराम ने अपनी मर्यादाओं को कभी तिलांजलि नहीं दी। उन्होंने रावण को महाज्ञानी के रूप में सदैव सम्मान दिया और यह इससे साबित भी हुआ कि रावण की मृत्यु से कुछ ही क्षण पूर्व श्रीराम ने लक्ष्मण को रावण के पास ज्ञान अर्जन के लिए भेजा था।

मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम में सभी के प्रति प्रेम की अगाध भावना कूट-कूटकर भरी थी। प्रजा वात्सल्यता, न्यायप्रियता और सत्यता के कारण ही उनके शासन को 'आदर्श' शासन की संज्ञा दी जाती है और आज भी अच्छे शासन को 'रामराज्य' कहकर परिभाषित किया जाता है। 'रामराज्य' यानी सुख, शांति एवं न्याय का राज्य। रामनवमी पर्व वास्तव में मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्रीराम की गुरू सेवा, माता-पिता की सेवा व आज्ञापालन, जात-पात के भेदभाव को मिटाने, क्षमाशीलता, भ्रातृप्रेम, पत्नीव्रता, न्यायप्रियता आदि विभिन्न महान् आदर्शों एवं गुणों को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा देता है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

लेखक- चंद्रकांत सी पूजारी, गुजरात

अब चरक शपथ

भारतीय चिकित्सा तंत्र के मानवीय सरोकार

प्रमोद भार्गव

राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने ऐतिहासिक फैसला लेते हुए 17 सौ साल पुरानी व्यवस्था को बदलने की अनुशसा की है। देश में चिकित्सा विज्ञान की पढ़ाई कर रहे छात्रों को अब हिप्पोक्रेटिक ओथ की बजाय महर्षि चरक की शपथ दिलाई जाएगी। इसकी शुरुआत नए पाठ्यक्रमों से होगी। दरअसल, चिकित्सक बनने के लिए समाज एवं मानवता के प्रति निर्विकार निष्ठा और अपने ज्ञान को सत्यता के साथ प्रयोग करना जरूरी है। इस सिलसिले में दुनियाभर में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्र एक शपथ लेते हैं, जिसे 'हिप्पोक्रेटिक ओथ' कहा जाता है। यह शपथ ग्रीक चिकित्साविद् हिप्पोक्रेट्स को समर्पित है। भारत में चिकित्सा के जनक माने जाने वाले महर्षि चरक की संस्कृत पुस्तक 'चरक संहिता' में भी चिकित्सा की पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए एक शपथ का उल्लेख है। आयोग ने इसी शपथ की सिफारिश की है। हालांकि, चरक-शपथ को वैकल्पिक रखा जाएगा। संस्कृत ग्रंथों में उल्लेख है कि धरा पर प्राणियों की सृष्टि से पहले ही प्रकृति ने घटक-द्रव्य युक्त वनस्पति जगत की सृष्टि कर दी थी, ताकि रोगग्रस्त होने पर उपचार के लिए मनुष्य उनका प्रयोग कर सके। भारत के प्राचीन वैद्य धन्वन्तरि और उनकी पीढ़ियों ने ऐसी अनेक वनस्पतियों की खोज की व उनके रोगियों पर प्रयोग किए। इन प्रयोगों के निष्कर्ष श्लोकों में दर्ज करने का उल्लेखनीय काम भी किया ताकि इस विरासत का लोप न हो। इन्हीं श्लोकों का संग्रह 'आयुर्वेद' है। एक लाख श्लोकों की इस संहिता को 'ब्रह्म-संहिता' भी कहा जाता है। इन संहिताओं में सौ-सौ श्लोक वाले एक हजार अध्याय हैं। बाद में इनका वर्गीकरण भी किया गया। इसका आधार अल्प-आयु तथा अल्प-बुद्धि को बनाया गया। वनस्पतियों के इस कोष और उपचार विधियों का संकलन 'अथर्ववेद' है। अथर्ववेद के इसी सारभूत संपूर्ण आयुर्वेद का ज्ञान धन्वन्तरि ने पहले दक्ष प्रजापति को दिया और फिर अश्विनी कुमारों को पारंगत किया। अश्विनी कुमारों ने ही वैद्यों के ज्ञान-वृद्धि की दृष्टि से 'अश्विनी कुमार संहिता' की रचना की। चरक ने ऋषि-मुनियों द्वारा रचित संहिताओं को परिमार्जित करके 'चरक-संहिता' की रचना की। यह आयुर्वेद का प्रामाणिक ग्रंथ माना जाता है।

इसी कालखंड में सद्वैद्य वाग्भट्ट ने धन्वन्तरि से ज्ञान प्राप्त किया और 'अष्टांग हृदय संहिता' की रचना की। सुश्रुत संहिता तथा अष्टांग हृदय संहिता आयुर्वेद के प्रामाणिक ग्रंथों के रूप में आदि काल से आज तक हमारा मार्गदर्शन कर रहे हैं। इन शास्त्रों में केवल मनुष्य ही नहीं बल्कि पशुओं, पक्षियों और वृक्षों के उपचार की विधियां भी उल्लेखित हैं।

भारत में चिकित्सा विज्ञान का इतिहास वैदिक काल में ही चरम पर पहुंच गया था, क्योंकि वनस्पतियों के औषधि रूप में उपयोग किए जाने का प्राचीनतम उल्लेख ऋग्वेद में उपलब्ध है। ऋग्वेद के पश्चात? अथर्ववेद लिखा गया, जिसमें भेषजों की उपयोगिताओं के वर्णन हैं। भेषजों के सुनिश्चित गुणों और उपयोगों का उल्लेख कुछ अधिक विस्तार से आयुर्वेद में हुआ है। यही आयुर्वेद भारतीय चिकित्सा विज्ञान की आधारशिला है। इसे उपवेद भी माना गया है। इसके आठ अध्याय हैं, जिनमें आयुर्विज्ञान और चिकित्सा के विभिन्न पक्षों पर विचार किया गया है।

आयुर्वेद की रचना के बाद पुराणों में सुश्रुत और चरक ऋषियों और उनके द्वारा रचित संहिताओं का उल्लेख है। चरक संहिता में रेचक, वामनकारक द्रव्यों और उनके गुणों का वर्णन है। चरक ने केवल एकल औषधियों को ही 45 वर्गों में विभाजित किया है। इसमें औषधियों की मात्रा और सेवन विधियों का भी तार्किक वर्णन है। इनका आज की प्रचलित चिकित्सा पद्धतियों से साम्य है। यहां तक कि कुछ विधियों में इंजेक्शन द्वारा शरीर में दवा पहुंचाने का भी उल्लेख है। यह वह समय था जब भारतीय चिकित्सा विज्ञान अपने उत्कर्ष पर था और भारतीय चिकित्सकों की भेषज तथा विष विज्ञान संबंधी प्रणालियां अन्य देशों की तुलना में उन्नत थीं।

इतनी समृद्ध विरासत के बाद यहां संकट तब पैदा हुआ, जब तांत्रिकों, सिद्धों और पाखंडियों ने इनमें कर्मकांड से जीवन की समृद्धि का घालमेल शुरू कर दिया। इसके तत्काल बाद एक और बड़ा संकट तब आया, जब भारत पर यूनानियों, शकों, हूणों और मुगलों के हमलों का सिलसिला निरंतर बना रहा। जो कुछ शेष था, उसे नेस्तनाबूद करने का काम अंग्रेजों ने किया। डॉ??. धर्मपाल की पुस्तक 'इंडियन साइंस एंड टेक्नोलॉजी' में लिखा है कि 1731 में बंगाल में डॉ. ओलिवर काउल्ट नियुक्त थे। काउल्ट ने लिखा है कि 'भारत में रोगियों को टीका देने का चलन था। उन्होंने लिखा है कि टीका लगाने की विधि भारत आने के भी डेढ़ सौ साल पहले से प्रचलन में थी। यह काम ज्यादातर ब्राह्मण करते थे और साल के निश्चित महीनों में वे इसे अपना उत्तरदायित्व मानते हुए घर-घर जाकर रोगी ढूंढते थे। लेकिन जब अंग्रेजों ने भारत में एलोपैथी चिकित्सा थोपने की शुरुआत की तो षड्यंत्रपूर्वक एक-एक कर सभी प्रणालियों को नष्ट करने का अभियान चला दिया था।

हिजाब प्रकरण

जिद से क्या हासिल?

अभिषेक गुप्ता

दक्षिण भारत में स्कूल में हिजाब पहनने या न पहनने को लेकर विवाद चल रहा है, जिसका सीधा असर मुस्लिम छात्राओं की शिक्षा पर पड़ रहा है। कहीं इस हिजाब विवाद के चक्कर में मुस्लिम छात्राओं की शिक्षा हाशिये पर ना आ जाए। ज्ञातव्य है कि मुस्लिम समाज में शिक्षा को लेकर जागरूकता का बड़ा अभाव है। ऐसे में अगर लड़कियां या उनके परिजन जिद पर आएंगे तो तरक्की की राह में उन्हें और दुश्वारियों का सामना करना पड़ेगा। दरअसल, इसे कैसे केवल मुस्लिम महिला मुद्दा न मानकर एक सामाजिक मुद्दा माना जाए।

शिक्षा को धर्म, संप्रदाय और पंथ से हमेशा दूर रखना चाहिए। हिजाब को धातमक और अभिव्यक्ति की आजादी और स्कूल यूनिफॉर्म कोड से जोड़कर देखा जा रहा हैग परंतु हमें यह सोचना चाहिए कि चाहे 'हिजाब हो या ना हो, लड़कियां स्कूल में होनी चाहिए' अर्थात लड़कियों की शिक्षा बाधित नहीं होनी चाहिए। सकारात्मक सोच को गति देने के वास्ते हमें हिजाब और भगवा शॉल दोनों से ऊपर उठकर सोचना होगा, तभी हम विकसित देश की श्रेणी में खड़े हो सकते हैं। राजनीतिक महत्वाकांक्षा और कुछ परम्परावादी धातमक सोच की वजह से ही हिजाब विवाद को तूल दिया जा रहा है, जिससे मुस्लिम लड़कियों की शिक्षा हाशिए पर है। इस मसले पर महिलाओं में मत भिन्नता है। इसलिए केरल के राज्यपाल ने कहा कि मुस्लिम महिलाओं को उनके हिजाब पहनने के अधिकार के लिए विरोध करने के लिए उकसाया जा रहा है। उन्होंने छात्राओं को सलाह दी कि असमाजिक तत्वों और लोगों के बहकावे में नहीं आएं और अपनी पढ़ाई पर ध्यान दें। उन्होंने यह भी कहा कि 'मुस्लिम लड़कियां हर जगह बहुत अच्छा कर रही हैं और इसलिए उन्हें प्रोत्साहन की जरूरत है। उन्हें नीचे धकेलने की जरूरत नहीं है। इस विवरण से यह स्पष्ट हो जाना चाहिए कि स्त्रियों की स्थिति कितनी जटिल और दुविधापूर्ण है। मानसिक रूप से बंदी बना ली गई इन मुस्लिम महिलाओं इस कैद से आजादी मिलनी चाहिए। वह पुरुषों की दखलंदाजी से आजाद हों। जब देश ने स्वतंत्रता के बाद अपनी योजनाओं को लागू करना शुरू किया तो इस बहुमूल्य दस्तावेज को पूरी तरह से भूला दिया गया। स्वतंत्रता के बाद स्त्री की जिस छवि को मान्यता दी गई वह परिवार पालने वाली और समाज में अनेक दयित्व से बंधी थी। शायद कहने की आवश्यकता नहीं है कि हिजाब की चर्चा से यह साफ है कि सार्वजनिक राजनीतिक संस्थाओं से मुस्लिम महिलाओं को अभी भी बाहर ही रखा जा रहा है। हिजाब का सवाल फिलहाल चर्चा में है और इसके बहाने कई और कठिन मुद्दे उठ गए हैं। यहां यह तर्क दिया जाता है कि सबको समाहित करने वाले कोई भी कानून चाहे भारतीय जनता पार्टी द्वारा लाया जाए चाहे कोर्ट की समझदारी से; मौजूदा समय में वह अल्पसंख्यक समुदाय की महिलाओं के हितों को नुकसान पहुंचाएगी, क्योंकि आज के तीखे सांप्रदायिक राजनीतिक वातावरण में वे अल्पसंख्यक और महिला होने का भार सहन करती हैं। शायद इसलिए राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान हिजाब मामले में सुधार की पहलकदमी पर मजबूती के साथ खड़े हैं, ताकि महिलाओं के अधिकार के रहते अल्पसंख्यक समुदायों के लिए एक समान कानून बनने से उनकी अपनी पहचान पर फर्क न पड़े। इस प्रकार समाज में मुस्लिम महिलाओं की दोयम स्थिति को केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने सफलतापूर्वक कटघरे में खड़ा किया । जो पहले से ही छदम राजनीति में हैं उन्हें लगता है कि हिजाब की बात उठाने से उनका महत्व कम होता है । महिलाओं के इस राजनीतिकरण के व्यापक असर की और जांच की जानी जरूरी है। क्या उससे उनकी रोजमर्रा की जिंदगी पर कोई असर पड़ा? क्या उनकी स्थिति में कहीं कोई बदलाव आया है? मुस्लिम महिलाओं के किसी भी राजनीतिक व्यवहार का विश्लेषण करने से पहले इस तथ्य को ध्यान में रखना जरूरी है कि मुस्लिम महिलाएं शायद ही कभी राजनीति में अपनी मर्जी और इच्छा से जाती होंगी। इसमें पूरे घर का हर तरह का दबाव और खिंचाव शामिल होता है। भारतीय महिलाएं खासकर मुस्लिम महिलाएं विभिन्न पारिवारिक रिश्तों का जोड़ भर होती हैं।

महिलाओं के संबंध में इस पूर्वधारणा की छानबीन राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य के संदर्भ में करना उपयोगी होगा। आज कई विकसित देशों में जैसे फ्रांस में 18 साल की लड़कियों के सार्वजनिक जगहों पर हिजाब पहनने पर पांबदी है। इसके अलावा बेल्जियम, नीदरलैंड और चीन में भी हिजाब पहनने पर रोक है। हमें इन देशों की सार्वजनिक व्यवस्था से बहुत कुछ सीखने की जरूरत है। कर्नाटक हाईकोर्ट ने कहा है कि हिजाब पहनना इस्लाम धर्म में आवश्यक धातमक प्रथा का हिस्सा नहीं है। किसी भी देश के विकसित और सकारात्मक होने में वहां की आधी आबादी का बड़ा रोल होता है। इसलिए महिलाओं की शिक्षा बेहद जरूरी है। मुस्लिम समाज यह बात समझे तो बेहतर होगा।

श्री राम नवमी 2022 : भगवान राम के 10 सरल शुभ मंत्र

चैत्र नवरात्रि और श्रीराम नवमी पर रामचरित मानस, वाल्मीकि रामायण, सुंदरकांड आदि के अनुष्ठान की परंपरा रही है। मंत्रों का जाप भी किया जाता है। उन्हें या उनमें से किसी एक के करने पर इच्छापूर्ति निःसंदेह पूर्ण होगी।

धार्मिक शास्त्रों के अनुसार प्रभु श्री राम नाम की शक्ति असीमित है। उनके नाम से लिखे पत्थर तैर गए। उनके द्वारा चलाया गया अमोघ बाण रामबाण अचूक कहलाया तो उनके मंत्र की शक्ति का तो कहना क्या?

श्री राम के 10 सरलतम मंत्र और उनकी उपासना विधि-

(1) 'राम' यह मंत्र अपने आप में पूर्ण है तथा शुचि-अशुचि अवस्था में भी जपा जा सकता है। यह तारक मंत्र कहलाता है।

(2) 'रां रामाय नमः' सकाम जपा जाने वाला यह मंत्र राज्य, लक्ष्मी पुत्र, आरोग्य व वि?पत्ति नाश के लिए प्रसिद्ध है।

(3) 'ऊँ रामचंद्राय नमः' क्लेश दूर करने के लिए प्रभावी मंत्र है।

(4) 'ऊँ रामभद्राय नमः' कार्य की बाधा दूर करने के लिए अवश्य प्रभावी है।

(5) 'ऊँ जानकी वल्लभाय स्वाहा' प्रभु कृपा प्राप्त करने व मनोकामना पूर्ति के लिए जपने योग्य है।

(6) 'ऊँ नमो भगवते रामचंद्राय' विपत्ति-आपत्ति के निवारण के लिए जपा जाता है।

(7) 'श्रीराम जय राम, जय-जय राम' इस मंत्र का कोई सानी नही है। शुचि-अशुचि अवस्था में जपने योग्य है।

(8) श्रीराम गायत्री मंत्र 'ऊँ दशरथाय नमः विद्महे सीता वल्लभाय धीमहि तन्नो रामः प्रचोदयात।' यह मंत्र समस्त संकटों का शमन करने वाला तथा ऋद्धि-सिद्धि देने वाला माना गया है।

(9) 'ऊँ नमः शिवाय', 'ऊँ हं हनुमते श्री रामचंद्राय नमः।' यह मंत्र एकसाथ कई कार्य करता है। स्त्रियां भी जप सकती हैं।

साधारणतया हनुमान जी के मंत्र उग्र होते हैं। शिव तथा राम मंत्र के साथ जप करने से उनकी उग्रता समाप्त हो जाती है।

(10) 'ऊँ रामाय धनुष्पाणये स्वाहाः' शत्रु शमन, न्यायालय, मुकदमे आदि की समस्या से मुक्ति हेतु प्रशस्त है।

रामनवमी
श्री राम के जन्म का उत्सव

रामनवमी एक ऐसा पर्व है जिस पर चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा को प्रतिवर्ष नए विक्रमी संवत्सर का प्रारंभ होता है और उसके आठ दिन बाद ही चैत्र शुक्ल पक्ष की नवमी को एक पर्व राम जन्मोत्सव का, जिसे रामनवमी के नाम से जाना जाता है, समस्त देश में मनाया जाता है। इस देश की राम और कृष्ण दो ऐसी महिमाशाली विभूतियां रही हैं, जिनका अमिट प्रभाव समूचे भारत के जनमानस पर सदियों से अनवरत चला आ रहा है। रामनवमी भगवान राम की स्मृति को समर्पित है। राम सदाचार के प्रतीक हैं और इन्हें मर्यादा पुरुषोतम कहा जाता है। रामनवमी को राम के जन्मदिन की स्मृति में मनाया जाता है। राम को भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है, जो पृथ्वी पर अजेय रावण (मनुष्य रूप में असुर राजा) से युद्ध लड़ने के लिए आए। राम राज्य (राम का शासन) शांति व समृद्धि की अवधि का पर्यायवाची बन गया है। रामनवमी के दिन श्रद्धालु बड़ी संख्या में उनके जन्मोत्सव को मनाने के लिए राम जी की मूर्तियों को पालने में झुलाते हैं। इस महान् राजा की काव्य तुलसी रामायण में राम की कहानी का वर्णन है।

मर्यादा पुरुषोत्तम

भगवान विष्णु ने राम रूप में असुरों का संहार करने के लिए पृथ्वी पर अवतार लिया और जीवन में मर्यादा का पालन करते हुए मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाए। आज भी मर्यादा पुरुषोत्तम राम का जन्मोत्सव तो धूमधाम से मनाया जाता है, पर उनके आदर्शों को जीवन में नहीं उतारा जाता। अयोध्या के राजकुमार होते हुए भी भगवान राम अपने पिता के वचनों को पूरा करने के लिए संपूर्ण वैभव को त्याग 14 वर्ष के लिए वन चले गए और आज देखें तो वैभव की लालसा में ही पुत्र अपने माता-पिता का काल बन रहा है।

राम का जन्म

पुरुषोतम भगवान राम का जन्म चैत्र मास की शुक्ल पक्ष की नवमी को पुनर्वसु नक्षत्र तथा कर्क लग्न में कौशल्या की कोख से हुआ था। यह दिन भारतीय जीवन में पुण्य पर्व माना जाता है। इस दिन सरयू नदी में स्नान करके लोग पुण्य लाभ कमाते हैं। धार्मिक दृष्टि से चैत्र शुक्ल नवमी का विशेष महत्व है। त्रेता युग में चैत्र शुक्ल नवमी के दिन रघुकुल शिरोमणि महाराज दशरथ एवं महारानी कौशल्या के यहां अखिल ब्रह्माण्ड नायक अखिलेश ने पुत्र के रूप में जन्म लिया था।

रामनवमी की पूजा

हिंदू धर्म में रामनवमी के दिन पूजा की जाती है। रामनवमी की पूजा के लिए आवश्यक सामग्री रोली, ऐपन, चावल, जल, फूल, एक घंटी और एक शंख हैं। पूजा के बाद परिवार की सबसे छोटी महिला सदस्य परिवार के सभी सदस्यों को टीका लगाती है। रामनवमी की पूजा में पहले देवताओं पर जल, रोली और ऐपन चढ़ाया जाता है, इसके बाद मूर्तियों पर मुट्ठी भरके चावल चढ़ाए जाते हैं। पूजा के बाद आरती की जाती है और आरती के बाद गंगाजल अथवा सादा जल एकत्रित हुए सभी जनों पर छिड़का जाता है।

रामनवमी व्रत

रामनवमी के दिन जो व्यक्ति पूरे दिन उपवास रखकर भगवान श्रीराम की पूजा करता है तथा अपनी आर्थिक स्थिति के अनुसार दान-पुण्य करता है, वह अनेक जन्मों के पापों को भस्म करने में समर्थ होता है। रामनवमी का व्रत महिलाओं के द्वारा किया जाता है। इस दिन व्रत करने वाली महिला को प्रातः सुबह उठना चाहिए। घर की साफ-सफाई कर घर में गंगाजल छिड़क कर शुद्ध कर लेना चाहिए। इसके पश्चात स्नान करके व्रत का संकल्प लेना चाहिए। इसके बाद एक लकड़ी के चौकोर टुकड़े पर सतिया बनाकर एक जल से भरा गिलास रखना चाहिए और अपनी अंगुली से चांदी का छल्ला निकाल कर रखना चाहिए। इसे प्रतीक रूप से गणेशजी माना जाता है। व्रत कथा सुनते समय हाथ में गेहूं-बाजरा आदि के दाने लेकर कहानी सुनने का भी महत्व कहा गया है।

रामनवमी 2022 के अत्यंत शुभ मुहूर्त

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से नवरात्रि प्रारंभ होती है। नवरात्रि के नौवें दिन यानी नवमी के दिन राम नवमी रहती है। इस दिन प्रभु श्रीराम का जन्म हुआ था। अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार वर्ष 2022 में 10 अप्रैल रविवार को रामनवमी रहेगी। आओ जानते हैं रामनवमी पर पूजा के सबसे अच्छे शुभ मुहूर्त।

नवमी तिथि : नवमी तिथि प्रारंभ 9 अप्रैल की देर रात 1 बजकर 25 मिनट से प्रारंभ होगी जो 11 अप्रैल प्रातः 3 बजकर 15 मिनट तक रहेगी।

शुभ योग : इस दिन पूरे दिन सर्वार्थ सिद्धि योग और रवि योग रहेगा। इस दिन पुष्य नक्षत्र में सुकर्मा योग रहेगा।

रामनवमी पूजा के शुभ मुहूर्त :

1. रामनवमी सबसे शुभ मुहूर्त : सुबह 11:06:35 से दोपहर 01:39:01 तक। श्रीराम के जन्म मध्याह्न समय 12:22:48 माना गया है।
2. अभिजीत मुहूर्त : सुबह 11:34 से 12:25 तक।
3. विजय मुहूर्त : दोपहर 02:06 से 02:56 तक।
4. गोधूलि मुहूर्त : शाम 06:06 से 06:30 तक।
5. संध्या मुहूर्त : शाम 06:18 से 07:26 तक।
6. निशिता मुहूर्त : रात्रि 11:36 से 12:22 तक।

नवमी पर प्रभु श्री राम को लगाएं पंचामृत का भोग, होंगे प्रसन्न

श्री राम नवमी के दिन प्रसाद के रूप में मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु रामचंद्र जी को नैवेद्य में पंचामृत चढ़ाया जाता है, क्योंकि भगवान राम के पूजन में दूध और घी का अहम स्थान माना गया है। इसके अलावा इस दिन, श्रीखंड, खीर और हलवा अवश्य बनाया जाता है। अतः रामभक्त को प्रभु श्री राम की कृपा प्राप्ति के लिए चैत्र शुक्ल नवमी के दिन इन प्रसादों को भोग स्वरूप अवश्य चढ़ाना चाहिए। आइए जानें पंचामृत बनाने की सरल एवं पारंपरिक विधि-

पंचामृत की सरल विधि-

सामग्री :

250 मिली गाय का दूध (ताजा), 2 टेबल चम्मच मिश्री पिसी हुई, 1 चम्मच शहद, 1 चम्मच देशी घी, 2 चम्मच ताजा दही, 2-3 तुलसी के पत्ते।

विधि :

- सबसे पहले गाय के ताजे दूध में पिसी मिश्री, शहद, दही एवं घी मिलाकर अच्छी तरह फेंट लें।
- इसमें तुलसी के पत्ते मिलाएं।
- लीजिए पंचामृत तैयार है। इस प्रकार दूध, चीनी, शहद दही और घी आदि पांच अमृतों को मिलाकर ही पंचामृत बनाया जाता है, इसके सेवन से स्वास्थ्य बेहतर बना रहता है।

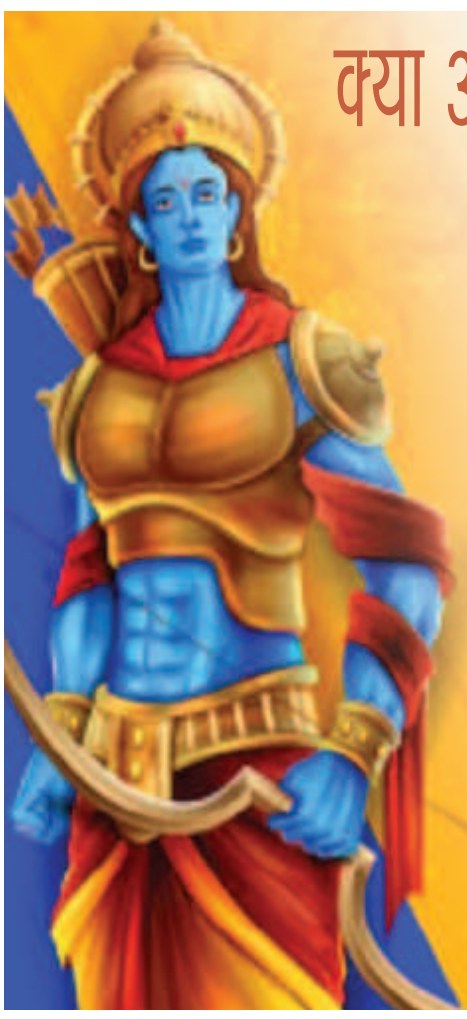

क्या आधुनिक समय में श्रीराम प्रासंगिक हैं?

इस युग को हम कलयुग न भी माने तो इस आधुनिक युग में प्राचीन काल की अपेक्षा विज्ञान और सुख-सुविधाओं का विस्तार हुआ है लेकिन व्यक्ति का नैतिक पतन भी हो चला है। रिश्ते-नाते अब औपचारिक रह गए हैं। सबकुछ स्वार्थ और धन पर आधारित है। धर्म का भी पतन हो चला है। अब राम को खोजना मुश?किल है लेकिन रावण हर जगह नजर आ रहे हैं। ऐसे में इस आधुनिक युग में प्रभु श्रीराम की प्रासंगिकता और भी ज्यादा बढ़ जाती है।

1. रिश्तों में खरे श्रीराम : श्रीराम ने दुनिया के सबसे अच?छे पुत्र होने के साथ ही बड़े भाई भी थे। उन्होंने एक आदर्श पति की भूमिका भी निभाई, जबकि उस दौर में लोग बहुविवाह करते थे और अपने भाई को कुछ नहीं समझते थे। दशरथ हो या रावण सभी ने कई विवाह किए। बालि हो या रावण उन्होंने अपने छोटे भाई को कभी कुछ नहीं समझा। लेकिन श्रीराम ने एक उदाहण प्रस्तुत किया। उन्होंने हर रिश्ते को निभाया। आज के मानव को श्रीराम से यह सीखना चाहिए। आपस में भाईचारा, रिश्तों को सहेजने की कला और मानव कल्याण किस प्रकार किया जाता है। इसकी श्रेष्ठतम उदाहरण है श्रीराम। आज संयुक्त परिवार खंड-खंड हो रहे हैं। इसके खंड खंड होने से आने वाला भविष्य भी खंड खंड हो रहा है। हर माता-पिता चाहते हैं कि उनके बेटे में श्रीराम के सब गुण हों। हर पत्नी चाहती है कि उसका पति श्रीराम की तरह 'आदर्शवान' और 'एक पत्नीधारी' ही हो। यही कारण है कि युग बीत जाने के बाद भी श्रीराम के आदर्शों को आज भी याद किया जाता है।
2. प्रजातंत्र के रक्षक : प्रभु श्रीराम ने अपने जीवन को इस तरह मैनेज किया कि आज भी उनके कार्य, व्यक्तित्व और शासन को याद किया जाता है। प्रभु श्रीराम के पास अनंत शक्तियां थीं लेकिन उन्होंने उसका कभी भी दुरुपयोग नहीं किया जैसा की रावण ने किया। रावण ने अपनी शक्तियों का प्रदर्शन किया लेकिन राम ने मर्यादा और विनम्रता का। वे यह सोचकर जीए कि मैं लोगों के लिए यदि मैं गलत चला तो संपूर्ण भारत गलत राह पर चलेगा। उन्होंने हमेशा लोकतंत्र, लोकमत और प्रजा के भले के बारे में ही सोचा। आज के राजनीतिज्ञ को या शासनकर्ता को इससे सीख लेना चाहिए। श्रीराम की कार्यप्रणाली का ही दूसरा नाम-'प्रजातंत्र' है। रामराज्य में किसी को अकारण दंडि?त नहीं किया जाता था और न ही लोगों के बीच पक्षपात व भेदभाव था।
3. नेतृत्व का मौका दूसरों को भी दिया : प्रभु श्रीराम अपने साथ दो लोगों की टीम लेकर चले थे। पहली उनकी पत्नी और दूसरा उनका भाई। तीनों ने मिलकर टीम वर्क किया, लेकिन नेतृत्व श्री राम के हाथ में ही दे रखा था। लेकिन प्रभु श्रीराम ने अपने साथ के सभी लोगों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई ऐसे मौके आए जबकि नेतृत्व उन्होंने दूसरों के हाथ में दिया। श्रीराम ने रणनीति, मूल्य, विश्वास, प्रोत्साहन, श्रेय, दूसरों की बातों को ध्यान और धीरज से सुनना और पारदर्शिता को अपने सामने रखा और अपने वनवास काल में एक बहुत बड़ी टीम बनाकर सभी को नेतृत्व करने का मौका दिया। हर संस्थान को, राजनीतिक पार्टी को और देश के संगठनों को उनसे यह सीखना ही चाहिए, तभी देश चलेगा।
4. समस्याओं में समाधान ढूंढना : प्रभु श्रीराम के समक्ष कई बार ऐसा मुश्किल हालत पैदा हुए जबकि संपूर्ण टीम में निराशा के भाव फैल गए थे लेकिन उन्होंने धैर्य से काम लेकर समस्याओं के समाधान को ढूंढा और फिर उस पर कार्य करना प्रारंभ किया। उन्होंने सीता हरण से लेकर, अहिराणण द्वारा खुद का हरण और लक्ष्मण के मुर्छित हो जाने तक कई तरह के संकटों का सामना किया लेकिन उनकी उत्साही टीम ने सभी संकटों पर विजयी पाई। संटक उसी व्यक्ति के समक्ष खड़े होते हैं जो उनका हल जानता है। सफलता का रास्ता आपके खिलाफ खड़ा किया गया विरोध और संकट ही बनाता है।
5. त्याग की भावना : यह सर्वविदित ही है कि पिता के आदेश मात्र पर उन्होंने राजसिंहासन को त्याग करने का निर्णय ले लिया था। बहुत संकट काल में भी उन्होंने थोड़े में ही गुजारा करने की सीख दी। उन्होंने आश्रम में रहकर गुरु ज्ञान लिया। जंगल में कुटिया में रहकर कंदमूल खाए और इस दौरान भी उन्होंने आदिवासियों और वनवासियों को धनुष बाण की शिक्षा देने के साथ ही धर्म की शिक्षा भी दी। शबरी के जूठे बेरों को प्रेम से खाना, केवट निषादराज को गले लगाना,वानर, भालू, रीछ जैसी जनजातियों को प्यार-स्नेह देकर उन्हें अपना बनाना और उनके जीवन में उत्साह का संचरण करना, कोई राम से सीखे। आधुनिक युग के मनुष?य में त्याग की भावना नहीं है जबकि त्याग मनुष्य को श्रेष्ठ और लोकप्रिय बनाता है।
6. असत्य के विरुद्ध युद्ध जरूरी : श्रीराम की कार्यप्रणाली कलयुग में भी इसलिए प्रासंगिक है क्योंकि आज विश्वभर में 'आतंकी' शक्तियां सिर उठा रही हैं। बढ़ती अराजकता और आतंकी शक्तियों का नाश करने के सच्चे सामर्थ्य का नाम है- श्रीराम। श्रीराम ने आसुरी शक्तियों का नाश करके धर्म की रक्षा की थी। जब प्रभु श्री राम की पत्नी सीता का रावण हरण करके ले गया तब श्रीराम के समक्ष सबसे बड़ा संकट खड़ा हो गया था। वह वन-वन सीता को खोजने के लिए भटके और उन्होंने अपनी बुद्धि और कौशल से आखिर यह पता लगा ही लिया की सीता कहां है। फिर उन्होंने सुग्रीव के लिए बाली का वध किया और सुग्रीव का समर्थन हासिल किया। इसी तरह उन्होंने कई राजाओं की सहायता की। श्री राम का जब रावण युद्ध हुआ तो वे कोई अयोध्या से सेना लेकर नहीं गए थे। उन्होंने वानर और रक्ष जाती के लोगों को एकत्रित किया और एक विशाल सेना का गठन कर दिया। खास बात तो यह कि न वेतन, न वर्दी, न आर्म्स और उस सेना से विजय हासिल की। कम संसाधन और कम सुविधाओं और संघर्ष के बावजूद उन्होंने पुल बनाकर लंका में प्रवेश किया और विजय हासिल की।

विदेशी मुद्रा भंडार 11.173 अरब डॉलर घटकर 606.475 अरब डॉलर रहा

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में अब तक की सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक भू-राजनीतिक घटनाक्रम के कारण मुद्रा दबाव में आने से भारत का विदेशी मुद्रा भंडार अब तक की सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट के साथ 11.173 अरब डॉलर घटकर 606.475 अरब डॉलर रह गया है। 25 मार्च को समाप्त पिछले सप्ताह में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 2.03 बिलियन अमरीकी डॉलर घटकर 617.648 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया था। गौरतलब है ` कि इससे पहले पिछली सबसे खराब साप्ताहिक गिरावट 11 मार्च को समाप्त सप्ताह में थी, तब विदेशी मुद्रा भंडार में 9.6 बिलियन अमरीकी डॉलर की गिरावट आई थी। विदेशी मुद्रा भंडार में भारी गिरावट मुख्य मुद्रा परिसंपत्तियों में गिरावट के कारण आई जो 10.727 बिलियन अमरीकी डॉलर गिरकर 539.727 बिलियन अमरीकी डॉलर रह गई। फिलहाल, यूक्रेन पर रूसी आक्रमण ने मुद्रा बाजारों में परेशानियां पैदा कर दी हैं। डॉलर में अभिव्यक्त विदेशी मुद्रा भंडार में रखे जाने वाले विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्रा में मूल्यवृद्धि अथवा मूल्यह्रास के प्रभाव शामिल हैं। आमतौर पर मुद्रा बाजार में अस्थिरता को कम करने के लिए आरबीआई अपने भंडार से कुछ हिस्सा बेचकर बाजार में हस्तक्षेप करता है। आरबीआई के आंकड़ों से पता चला कि समीक्षाधीन सप्ताह में सोने के भंडार का मूल्य भी 507 मिलियन अमरीकी डालर घटकर 42.734 बिलियन अमरीकी डालर हो गया। आरबीआई ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के साथ विशेष आहरण अधिकार (स्ष्ठक्र) 58 मिलियन अमरीकी डालर बढ़कर 18.879 बिलियन अमरीकी डालर हो गया। आंकड़ों से पता चलता है कि आईएमएफ के साथ देश की रिजर्व पोजिशन भी समीक्षाधीन सप्ताह में 4 मिलियन अमरीकी डालर बढ़कर 5.136 बिलियन अमरीकी डालर हो गई है।

इक्विटी म्यूचुअल फंड में मार्च में शुद्ध रूप से 28,463 करोड़ रुपए का निवेश, पर बांड से हुई निकासी

नई दिल्ली।

इक्विटी म्यूचुअल फंड को लेकर निवेशकों में आकर्षण बना हुआ है। शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की बिकवाली के बीच इक्विटी म्यूचुअल फंड में मार्च महीने में शुद्ध रूप से 28,463 करोड़ रुपए का निवेश आया। यह लगातार 13वां महीना है जब शुद्ध प्रवाह बढ़ा है। उद्योग संगठन एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, फरवरी में इक्विटी म्यूचुअल फंड में शुद्ध रूप से 19,705 करोड़ रुपए लगाए गए थे जबकि जनवरी में यह आंकड़ा 14,888 करोड़ रुपए और दिसंबर, 2021 में 25,077 करोड़ रुपए था। इक्विटी यानी शेयर में निवेश से जुड़ी योजनाओं में शुद्ध रूप से निवेश मार्च, 2021 से ही बढ़ रहा है। यह निवेशकों के बीच ऐसी योजनाओं को लेकर सकारात्मक धारणा को बताता है। इससे पहले, इन योजनाओं से जुलाई, 2020 से लेकर फरवरी, 2021 तक लगातार पैसे निकाले गए थे। आंकड़ों के अनुसार, वहीं बांड और प्रतिभूतियों के मामले में पिछले महीने शुद्ध रूप से 1.15 लाख करोड़ रुपए निकाले गए। जबकि फरवरी में इसमें शुद्ध रूप से 8,274 करोड़ रुपए लगाए गए थे। कुल मिलाकर, म्यूचुअल फंड उद्योग से मार्च महीने में शुद्ध रूप से 69,883 करोड़ रुपए निकाले गए, जबकि इससे पिछले महीने में 31,533 करोड़ रुपए लगाए गए थे। निकासी की वजह से उद्योग की प्रबंधन अधीन परिसंपत्तियां मार्च के अंत में घटकर 37.7 लाख करोड़ रुपए रहीं, जो फरवरी के अंत में 38.56 लाख करोड़ रुपए थीं।

ग्राहक सेवाओं की समीक्षा और सुधार के लिए समिति बनाएगा रिजर्व बैंक

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक ने विनियमित इकाइयों की ग्राहक सेवाओं में सुधार के लिए एक समिति का गठन करने की घोषणा की। यह समिति उपभोक्ता संरक्षण की समीक्षा करेगी और उसे मजबूत करने के उपाय सुझाएगी। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा` कि केंद्रीय बैंक ने पिछले कुछ वर्षों में उपभोक्ता संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए कई उपाय किए हैं। इन उपायों में ग्राहक सेवा, आंतरिक शिकायत निवारण और ओम्बड्समैन प्रणाली पर नियामकीय ढांचा खड़ा करना शामिल है। दास ने कहा कि आरबीआई के नियमन के दायरे में आने वाली संस्थाओं ने उत्पादों और सेवाओं में नवाचारों, डिजिटल पैठ को गहरा किया। वित्तीय क्षेत्र में व्यापक बदलाव आया है। ऐसे में रिजर्व बैंक के नियमन वाली इकाइयों (आरई) की मौजूदा सेवाओं और ग्राहक सेवा नियमनों की अनुकूलता की समीक्षा के लिए एक समिति के गठन का प्रस्ताव है। समिति इन सेवाओं में सुधार के उपाय सुझाएगी। वित्तीय प्रणाली की मौजूदा स्थितियों, आचरण की निगरानी के निष्कर्षों, प्राप्त शिकायतों के विश्लेषण और इस उद्देश्य के लिए गठित विभिन्न समितियों से प्राप्त सिफारिशों के आधार पर विनियमित संस्थाओं को नियामक निर्देश जारी किए जाते हैं। दास ने कहा कि नियमन के तहत आने वाले संस्थानों की जलवायु के प्रभाव की समझ को बेहतर करने और वित्तीय जोखिमों के प्रभाव के आकलन के लिए जलवायु जोखिम और सतत वित्त पर एक परिचर्चा पत्र प्रकाशित किया जाएगा और इस पर विचार लिए जाएंगे।

आरबीआई ने 2022-23 में मुद्रास्फीति 5.7 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया

मुंबई।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को वित्त वर्ष 2022-23 के लिए खुदरा मुद्रास्फीति के अपने अनुमान में परिवर्तन कर 5.7 प्रतिशत कर दिया है।

केंद्रीय बैंक ने भूराजनीतिक तनाव और तेल एवं अन्य जिंसों की कीमतों के उछाल के कारण महंगाई दर के अनुमान को संशोधित किया है। दास ने कहा, ''वर्ष 2022 में मॉनसून सामान्य रहने और कच्चे तेल के दाम 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर रहने की मान्यता के आधार पर वर्ष 2022-23 में मुद्रास्फीति 5.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। चालू

वित्त वर्ष की पहली तिमाही में मुद्रास्फीति 6.3 प्रतिशत, दूसरी तिमाही में 5.8 प्रतिशत, तीसरी में 5.4 प्रतिशत और चौथी में 5.1 प्रतिशत रहने का अनुमान है। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने नए वित्त वर्ष के दौरान मौद्रिक नीति की पहली समीक्षा की जानकारी देते हुए कहा कि फरवरी (यूक्रेन पर रूस के हमले) से पैदा हालात के बाद पैदा हुए भूराजनीतिक तनाव के चलते मुद्रास्फीति का परिदृश्य काफी गंभीर हो गया है। उन्होंने कहा कि फरवरी के अंत से कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमतों में उछाल से मुद्रास्फीति पर सीधा और आड़ा असर पड़ने का खतरा बढ़ गया है।

संक्षिप्त समाचार

रूस पर आर्थिक प्रतिबंधों के खिलाफ कोई कदम नहीं उठाएंगे: आरबीआई

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) भारत और रूस व्यापार के लिए भुगतान निपटान समाधान पर सरकार के साथ मिलकर काम कर रहा है। केंद्रीय बैंक ने कहा कि इस तरह का कोई भी समाधान यूक्रेन पर आक्रमण करने के बाद मॉस्को पर लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों के प्रति संवेदनशील होगा। आरबीआई ने कहा कि वह ऐसा कोई कदम नहीं उठाएगा, जो रूस पर आर्थिक प्रतिबंधों के खिलाफ जाता हो। रिजर्व बैंक गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि इस मसले से पहले सरकार को निपटना होगा और जहां तक केंद्रीय बैंक का संबंध है, तो हम ऐसा कुछ भी नहीं करेंगे, जो प्रतिबंधों के खिलाफ हो। रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर टी रवि शंकर ने कहा कि चूंकि यूक्रेन युद्ध ने व्यापार और भुगतान को बाधित कर दिया है, इसलिए हम सभी हितधारकों के साथ चर्चा कर रहे हैं और साथ ही, हम आर्थिक प्रतिबंधों के प्रति संवेदनशील हैं। उन्होंने कहा कि इस संबंध में कुछ भी तय होने पर इसकी घोषणा की जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि फरवरी के ओ खिर में युद्ध शुरू होने के बाद से नई दिल्ली और मॉस्को के बीच कोई नया भुगतान मंच उपलब्ध नहीं है। केंद्रीय बैंक को किसी औपचारिक या अनौपचारिक रुपया-रूबल भुगतान तंत्र के बारे में पता नहीं है। उद्योग समूह, बैंक और संबंधित सभी लोग यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि इन बदली हुई परिस्थितियों में सर्वोत्तम भुगतान कैसे किया जा सकता है। उन्होंने कहा` कि हम सभी विकल्पों पर चर्चा कर रहे हैं लेकिन, हमें प्रतिबंधों के प्रति भी संवेदनशील होना होगा। हम इन सभी विकल्पों पर चर्चा कर रहे हैं। एक बार कुछ तय हो जाने के बाद आपको इसके बारे में पता चल जाएगा।

एसजेवीएन ने सीएसआर गतिविधियों पर 340 करोड़ खर्च किए

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली उत्पादक कंपनी एसजेवीएन लिमिटेड ने स्थापना के बाद से शिक्षा, स्वास्थ्य और संरचना विकास जैसी कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) गतिविधियों पर 340 करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च की है। कंपनी ने जानकारी दी। एसजेवीएन की स्थापना 1988 में हुई थी। एसजेवीएन के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि स्थापना के बाद से एसजेवीएन ने शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, ढांचागत विकास, महिलाओं और बच्चों की देखभाल, स्थिरता, प्राकृतिक आपदाओं के दौरान विभिन्न गतिविधियों में 340 करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए हैं। उन्होंने कहा कि एसजेवीएन हमेशा एक जिम्मेदार कॉरपोरेट नागरिक के रूप में अपनी भूमिका में सबसे आगे रही है। कंपनी अपने हितधारकों और समाज के प्रति सीएसआर गतिविधियों में अग्रणी रही है। एसजेवीएन को कोरोना वारियर्स अवार्ड और पार्टनर्स इन प्रोग्रेस की श्रेणियों में 13वें सीआईडीसी विश्वकर्मा पुरस्कार -2022 से भी सम्मानित किया गया है। उन्होंनं कहा` कि एसजेवीएन ने कोविड-19 महामारी के चरम दौरान सुरक्षा और स्वच्छता के सामान मसलन मास्क, दस्ताने, पीपीई किट, सैनिटाइज़र, कीटाणुनाशक आदि का लोगों के बीच वितरण किया था।

रुचि सोया ने पूरी कर्ज राशि का भुगतान किया

नई दिल्ली । खाने का तेल बनाने वाली रूचि सोया ने बैंकों का 2,925 करोड़ रुपए का पूरा कर्ज वापस कर दिया है। इसी के साथ कंपनी कर्ज मुक्त हो गई है। बाबा रामदेव की पतंजलि आयुर्वेद की अगुवाई वाली रुचि सोया ने हाल में अपने अनुवर्ती सार्वजनिक निर्गम (एफपीओ) के जरिए 4,300 करोड़ रुपए जुटाए थे। कंपनी ने इस पूंजी के एक हिस्से का इस्तेमाल कर्ज चुकाने के लिए किया है। पतंजलि के प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण ने ट्वीट कर बताया कि रुचि सोया कर्ज मुक्त हो गई है। कंपनी के एक प्रवक्ता ने कहा कि एफपीओ के लिए जमा किए गए दस्तावेज में कंपनी ने बताया था कि वह लगभग 1,950 करोड़ रुपए का कर्ज चुकाएगी। कंपनी के एक प्रवक्ता ने कहा कि एफपीओ के लिए जमा किए गए दस्तावेज में कंपनी ने बताया था कि वह लगभग 1,950 करोड़ रुपए का कर्ज चुकाएगी। हालांकि, कंपनी ने अपने कर्जदाताओं को 2,925 करोड़ रुपए की पूरी कर्ज राशि चुकाने का फैसला किया।

टीसीएस के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम को बीएसएनएल से मिला बड़ा आर्डर

नई दिल्ली । दूरसंचार क्षेत्र की सरकारी कंपनी भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) अपने 4जी नेटवर्क पर तेजी से काम कर रहा है। इसी क्रम में सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनी टीसीएस के नेतृत्व वाले एक कंसोर्टियम को बीएसएनएल से 4जी नेटवर्क स्थापित करने का आर्डर मिला है। 550 करोड़ रुपए के इस आर्डर के तहत स्वदेशी रूप से 4जी नेटवर्क तैयार किया जाएगा। शुरू में यह कंसोर्टियम बीएसएनएल की 4जी नेटवर्क सेवाओं के लिए 6,000 मोबाइल टावर लगाएगा। बीएसएनएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया` कि टीसीएस के नेतृत्व वाले एक संघ को 4जी सेवाओं के लिए 6000 टावर स्थापित करने के लिए 550 करोड़ रुपए का आर्डर दिया गया है। जानकारी के मुतो बि इसके लिए एक समझौता पर बीते हाल ही में हस्ताक्षर किया गया। हालांकि, इस संबंध में भेजे गए ईमेल का टीसीएस ने अभी कोई जवाब नहीं दिया। इससे पहले बीते बुधवार को केंद्रीय दूरसंचार मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद में बताया था कि बीएसएनएल देश भर में लगभग 1.12 लाख टावर लगाने की योजना पर काम कर रहा है। इसी के साथ जल्द ही पूरे भारत में स्वदेशी 4जी दूरसंचार नेटवर्क शुरू हो जाएगा।

12 अप्रैल को लांच होगी हार्ले-डेविडसन की नई बाइक

नई दिल्ली ।

मोटरसाइकिल बनाने वाली कंपनी हार्ले-डेविडसन जल्द ही भारत में अपनी एक नई बाइक लॉन्च करने जा रही है। यह स्पोर्टस्टर ब्लडलाइन का एक नया वैरिएंट है। कंपनी ने नए स्पोर्टस्टर एडीशन का एक टीज़र जारी किया है। इस मोटरसाइकिल का 12 अप्रैल को अनावरण किया जाएगा। टीजर देखकर ऑटो एक्सपर्ट बताते हैं कि हार्ले की नई बाइक का नाम 'नाइटस्टर' हो सकता है। नया स्पोर्टस्टर वैरिएंट मौजूदा मॉडल के मुकाबले में थोड़ा अलग होगा। इस मोटरसाइकिल में हॉरिजॉन्टल एलईडी स्ट्रिप हेडलाइट के स्थान पर रेट्रो-लुकिंग राउंड लाइट यूनिट दी गई है। इसमें ट्वीक किए गए एर्गोनॉमिक्स हैं जो क्रूजिंग में एक नया एडवेंचर देंगे। कहा जा रहा है कि नई बाइक में वी-ट्विन का 975सीसी का इंजन होगा। जबकि, हार्ले-डेविडसन स्पोर्टस्टर स में 1250सीसी का इंजन लगा है।नई बाइक में बार-एंड मिरर्स, पीछे की तरफ ट्विन शॉक एब्जॉर्बर और सामने की तरफ टेलिस्कोपिक फोर्क्स जैसे फीचर्स दिए जा सकते हैं। आरामदायक राइडिंग के लिए बाइक में सिंगल सीट सेटअप, ट्रेडिशनल टेल और लो स्लंग एग्जॉस्ट माउंट दिया गया है। इस बाइक में एक सोलो सैडल के आलवा अलॉय व्हील दिया गया है। हार्ले-डेविडसन कई एंट्री लेवल मॉडल पर काम कर रही है। इन बाइक्स की बिक्री

चीन और भारत समेत कई देशों में की जाएगी। हार्ले डेविडसन ने चीन की कंपनी बेनेल्ली के साथ अपनी साझेदारी की है। इस साझेदारी के तहत कंपनी हार्ले-डेविडसन 338क्र पर काम कर रही है। बताया जा रहा है कि हार्ले-डेविडसन338आर की लॉन्चिंग जल्द की जा सकती है।ऑटो एक्सपर्ट बताते हैं कि चूंकि यह बाइक कम कम पावर इंजन की होगी तो इसकी कीमत भी कम होगी। हार्ले डेविडसन के स्पोर्टस्टर -एस बाइक की कीमत 15.51 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है। नई बाइक की कीमत 12 लाख रुपये के आसपास हो सकती है।

मोदी सरकार ने नहीं मानी मांग, परेशानी में पेप्सी और कोका कोला सहित कई कंपनियों

नई दिल्ली ।

देश में एक जुलाई से सिंगल यूज प्लास्टिक पर पाबंदी लगने वाली है। कई देसी-विदेशी बेवेरज कंपनियों ने प्लास्टिक स्ट्रॉ को इसमें छूट देने की मांग की थी लेकिन मोदी सरकार ने इस मांग को ठुकरा दिया है। इससे पेप्सी और कोका कोला सहित कई कंपनियों की बिक्री प्रभावित होने की आशंका है। सिंगल यूज प्लास्टिक को पर्यावरण के लिए बेहद हानिकारक माना जाता है। ये प्लास्टिक उत्पाद लंबे समय तक पर्यावरण को नुकसान पहुंचाते हैं। सरकार ने सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने के लिए पिछले साल अगस्त में एक अधिसूचना जारी की थी। इसमें एक जुलाई से इस तरह के तमाम आइटमों पर पाबंदी लगाने को कहा गया था। इसके बाद केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) ने सभी संबंधित पक्षों को नोटिस जारी करते हुए उन्हें 30 जून तक सिंगल यूज प्लास्टिक पर पाबंदी के लिए सारी तैयारी पूरी करने को कहा था। बेवरेज में इस्तेमाल होने वाला स्ट्रॉ भी इसी कैटगरी में आता है। इसकारण बेवरेज बनाने वाली कंपनियों ने सरकार से इसमें छूट देने का अनुरोध किया था। रिपोर्ट के मुताबिक सरकार ने उनके अनुरोध को खारिज कर दिया है। इससे अरबों डॉलर की इस इंडस्ट्री के प्रभावित होने का खतरा पैदा हो गया है। देश में जूस और डेयरी प्रॉडक्ट्स के छोटे पैक्स के साथ स्ट्रॉ होता है। देश में इनकी सालाना बिक्री 79 करोड़ डॉलर की है। इस इंडस्ट्री की संस्था के प्रमुख ने कहा कि हम इस लेकर चिंतित हैं क्योंकि यह उस समय लागू हो रहा है, जब देश में डिमांड चरम पर होगी। इससे उपभोक्ता और ब्रांड मालिकों को परेशानी होगी। संस्था में पेप्सिको, कोकाकोला, पार्ले एग्रो और डाबर जैसी कंपनियों का प्रतिनिधित्व है। इसके साथ ही डेयरी कंपनियां भी स्ट्रॉ को बैन से अलग रखने की मांग कर रही हैं। उनका कहना है कि इसका कोई विकल्प नहीं है। पर्यावरण मंत्रालय ने उनकी मांग को खारिज करते हुए छह अप्रैल के मेमो में कहा है कि इंडस्ट्री को इसके विकल्प की तरफ जाना चाहिए। उन्हें इसके लिए एक साल का समय दिया गया था। इस बारे में पर्यावरण मंत्रालय ने तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की। पेप्सी ने टिप्पणी करने से इंकार कर दिया जबकि कोकाकोला और दूसरी कंपनियों ने सवालों का जवाब नहीं दिया। बता दें कि देश में पांच से 30 रुपये तक की कीमत वाले जूस और डेयरी प्रॉडक्ट्स बेहद लोकप्रिय हैं। पेप्सी का ट्रॉपिकाना, डाबर का रियल जूस, कोकाकोला का माजा और पार्ले एग्रो का फ्रूटी छोटे पैक में आता है और इनके साथ स्ट्रॉ भी होता है। संस्था की दलील है कि ऑस्ट्रेलिया, चीन और मलेशिया जैसे देशों में स्ट्रॉ के इस्तेमाल की अनुमति है। इंडस्ट्री के जानकारों का कहना है कि स्ट्रॉ पर बैन से उनकी सप्लाई पर असर पड़ेगा। बढ़ेगी और उनका बिजनस प्रभावित होगा।

भारत में निसान लीफ की जल्द होगी एंट्री

नई दिल्ली। जापानी कार कंपनी निसान भारत में अपना पहला इलेक्ट्रिक कार लॉन्च करने की तैयारी में है। निसान लीफ को बीते दिनों दिल्ली-एनसीआर में टेस्टिंग के दौरान देखा गया है। यह कार निसान लीफ नाम से आ सकती है। इसी के साथ कयासों का सिलसिला शुरू हो गया है कि जल्द ही निसान लीफ की इंडियन मार्केट में एंट्री हो सकती है। फिलहाल आप ये जानें कि भारत में सस्ती एसयूवी निसान मैग्नाइट के साथ ही मिडसाइज एसयूवी सेगमेंट में निसान किक्स से जलवा बिखेर रही कंपनी इलेक्ट्रिक कार सेगमेंट में क्या कुछ करने जा रही है? हाल ही में दिल्ली-एनसीआर की सड़कों पर निसान लीफ दिखी, जिसे अपने कैमरे में स्वरूप मिश्रा नामक शख्स ने कैद किया है इसके बारे में रशलेन ने रिपोर्टिंग की है। हालांकि, यह पहली बार नहीं है, जब निसान लीफ की टेस्टिंग शुरू हुई है। साल 2019 में भी कई मौकों पर निसान लीफ की टेस्टिंग इमेज सामने आई थी। लेकिन अब चूंकि इंडियन मार्केट में ईवी की बिक्री बढ़ गई है और नई-नई कंपनियां इलेक्ट्रिक कार ला रही है, ऐसे में माना जा रहा है कि जल्द ही निसान लीफ भी लॉन्च हो सकती है। फिलहाल आपको अपकमिंग निसान लीफ के लुक और फीचर्स की बात करें तो यह इलेक्ट्रिक कार देखने में प्रीमियम होगी, जिसमें फीचर्स भी काफी लेटेस्ट होंगे। निसान लीफ इलेक्ट्रिक में अडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंट सिस्टम के साथ ही कई खास खूबियां देखने को मिलेगी। इस इलेक्ट्रिक कार में 40 केडब्ल्यूएच का लीथियम आयन बैटरी पैक देखने को मिलेगा, जिसकी सिंगल चार्ज पर बैटरी रेंज 400 किलोमीटर तक की हो सकती है। इसका इलेक्ट्रिक मोटर 146बीएचपी तक की पावर और 320 एनएम टॉर्क जेनरेट करने में सक्षम होगा। निसान लीफ की भारत में संभावित कीमत 40 लाख रुपये के आसपास रह सकती है ।

रियल एस्टेट क्षेत्र ने मौद्रिक नीति समीक्षा में ब्याज दरों को यथावत रखने का स्वागत किया

नयी दिल्ली।

रियल एस्टेट क्षेत्र ने रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा का स्वागत करते हुए इसे आर्थिक वृद्धि की गति को बरकरार रखने और मांग को बढ़ाने वाला बताया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को चालू वित्त वर्ष की पहली द्विमासिक मौद्रिक समीक्षा बैठक में प्रमुख नीतिगत दर रेपो में लगातार 11वीं बार कोई बदलाव नहीं करते हुए इसे चार प्रतिशत के निचले स्तर पर कायम रखा। रियल एस्टेट क्षेत्र के संगठनक्रे डाई के अध्यक्ष हर्षवर्धन पटोदिया ने कहा कि रेपो दर को चार प्रतिशत पर बरकरार रखने के आरबीआई के फैसले से देश में आर्थिक वृद्धि को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान रेपो दर रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए फायदेमंद होगी, क्योंकि घर खरीदारों को कम लागत पर गृह ऋण मिलेगा। नारेडको के उपाध्यक्ष निरंजन हीरानंदानी ने कहा कि कीमतों में संक्षिप्त बढ़ोतरी के बावजूद आवास ऋण की कम ब्याज दर से अल्पावधि में मांग बनी रहेगी और बिक्री की गति बरकरार रहेगी। नाइट फ्रैंक इंडिया के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक शिशिर बैजल ने कहा कि भू-राजनीतिक चुनौतियों के साथ ही मुद्रास्फीति के दबावों के बावजूद रिजर्व बैंक ने आर्थिक वृद्धि की गति को बनाए रखने की जरूरत को समझा। उन्होंने एक बयान में कहा, ''हम रेपो दर पर आरबीआई के लगातार उदार रुख और यथास्थिति का स्वागत करते हैं। रियल एस्टेट क्षेत्र के लिए कम ब्याज दरों ने मांग बढ़ाने में प्रमुख भूमिका निभाई है। रेपो दरों पर यथास्थिति से मौजूदा मांग के स्तर को बनाए रखने में मदद मिलेगी।'' अजमेरा निदेशक धवल अजमेरा ने कहा, ''रियल एस्टेट ब्याज दर को लेकर संवेदनशील क्षेत्रों में से एक होने के कारण यथास्थिति का स्वागत करता है।

अडाणी समूह आईएचसी दो अरब डॉलर का निवेश करेगी

मुंबई । अबू धाबी स्थित समूह इंटरनेशनल होल्डिंग कंपनी (आईएचसी) तरजीही शेयर आवंटन के द्वारा अडाणी समूह की तीन हरित कंपनियों में दो अरब डॉलर का निवेश करेगा। उद्योगपति गौतम अडाणी के नेतृत्व वाले समूह ने कहा, ''आईएचसी अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) में 3,850 करोड़ रुपये, अडाणी ट्रांसमिशन लिमिटेड (एटीएल) में 3,850 करोड़ रुपये और अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एईएल) में 7,700 करोड़ रुपये का निवेश करेगी।'' हालांकि, समूह ने नहीं बताया कि आईएचसी तीन फर्मों में कितनी हिस्सेदारी लेगी। एजीईएल, एटीएल और एईएल के बोर्ड ने बैठक कर लेनदेन को मंजूरी दी। इस निवेश के लिए शेयरधारकों और नियामकों से मंजूरियां ली जानी हैं। समूह ने कहा, आईएचसी और अडाणी पोर्टफोलियो भारत, पश्चिम एशिया और अफ्रीका में कई रणनीतिक अवसरों में व्यापार साझेदारी बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'' एजीईएल के कार्यकारी निदेशक सागर अडाणी ने कहा, ''हम टिकाऊ बुनियादी ढांचे, हरित ऊर्जा और ऊर्जा बदलाव में निवेश के साझा दृष्टिकोण और मूल्यों के लिए गहराई से प्रतिबद्ध हैं। यह एक ऐतिहासिक लेनदेन है और अडाणी समूह तथा आईएचसी के बीच व्यापक संबंधों की शुरुआत का प्रतीक है। बयान के मुताबिक, अडाणी की तीन कंपनियां, एजीईएल, एटीएल और एईएल-अपने व्यापारिक क्षेत्रों में अग्रणी हैं और अडाणी समूह के हरित पोर्टफोलियो का विस्तार करती हैं। आईएचसी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक सैयद बसर शुएब ने कहा, यह भारत में एक दीर्घकालिक निवेश होगा, क्योंकि देश हरित ऊर्जा सहित विश्व स्तर पर अत्यधिक नवाचार कर रहा है।

भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच बोले- टी-20 विश्वकप में दिनेश कार्तिक निभा सकते हैं निर्णायक की भूमिका

नई दिल्ली । इस साल क्रिकेट टी-20 विश्वकप के लिए टीम चयन में आईपीएल-2022 टीम इंडिया में खिलाड़ियों की संभावनाओं पर प्रभाव डालेगा। आगामी अक्टूबर-नवंबर में टी-20 विश्वकप का आयोजन ऑस्ट्रेलिया में होगा। इन दिनों जो भारतीय क्रिकेटर आईपीएल में खेल रहे हैं वह टीम में अपनी स्थिति को और मजबूत करने की कोशिश करेंगे। टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक भले ही इस दौड़ में शामिल न हों। लेकिन अपनी फिनिशिंग क्षमताओं के चलते वह भारतीय टीम में जगह बना सकते हैं। टीम इंडिया के पूर्व मुख्य हेड कोच रवि शास्त्री का मानना है कि एमएस धोनी टीम में नहीं है। इसलिए कार्तिक फिनिशर यानि निर्णायक की भूमिका निभा सकते हैं। इंडियन प्रीमियर लीग में दिनेश कार्तिक ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए सभी तीन मैच खेले हैं। इन मुकाबलों में उनके प्रदर्शन पर नजर डाली जाए तो उन्होंने 44 गेंदों का सामना करते हुए 90 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 200 से ज्यादा का रहा। पिछले तीन मैचों में उनका लेखा-जोखा 14 गेंदों पर 32 रन, 7 गेंदों पर 14 रन और 23 गेंदों पर 44 रन बनाने का रहा है। आरसीबी में आने के बाद कार्तिक नए अवतार में दिख रहे हैं। पिछले मैच में उनके पराक्रम के चलते बैंगलोर ने राजस्थान को हराने में सफलता पाई। आईपीएल 2022 में दिनेश कार्तिक ने जिस तरह से बैटिंग की है ।

आईपीएल

आरआर के नाथन कूल्टर नाइल चोटिल, रिप्लेस हो सकते हैं 3 ऑलराउंडर्स

नई दिल्ली ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 15वें सीजन में दूसरी बार खिताब हथियाने के लिए मैदान में उतरी राजस्थान रॉयल्स की टीम के हैंसले हुलंद हैं। संजू सैमसन की कप्तानी वाली राजस्थान रॉयल्स ने मौजूदा सीजन में अपनी शुरुआत भी धमाकेदार की है। आरआर ने इस सीजन खेले अपने तीन शुरुआती मैच में से 2 में जीत दर्ज की है। राजस्थान को ऑस्ट्रेलिया के बॉलिंग ऑलराउंडर नाथन कूल्टर नाइल के चोटिल होकर बाहर होने से तगड़ा झटका लगा है। यह कंगारू पेसर अब मौजूदा आईपीएल के बचे मुकाबलों से बाहर हो गया है। नाथन कूल्टर नाइल को यह चोट सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेले गए पहले मुकाबले के दौरान लगी थी। इसके बाद वह अगले मुकाबलों में टीम का हिस्सा नहीं थे। राजस्थान रॉयल्स ने नाथन कूल्टर नाइल के रिप्लेसमेंट का ऐलान अभी नहीं किया है। इस समय राजस्थान की टीम कूल्टर नाइल के रिप्लेसमेंट खिलाड़ी की तलाश में है। वह कौन से तीन खिलाड़ी हैं, जो राजस्थान टीम में नाथन कूल्टर नाइल की जगह ले सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी ऑलराउंडर बेन कटिंग दुनिया के लगभग सभी टी20 लीग में खेलते हैं। वह आईपीएल का भी हिस्सा रह चुके हैं। ऐसे में नेथन कूल्टर नाइल कीर जगह लेने वाले खिलाड़ियों में बेन कटिंग टॉप पर हैं। टी20 क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के बावजूद कटिंग आईपीएल 2022 मेगा ऑक्शन में अनसोल्ड रहे थे। 21 आईपीएल मैचों में कटिंग के नाम 238 रन दर्ज हैं। इसके अलावा उन्होंने 10 विकेट भी चटकाए हैं। आईपीएल 2016 फाइनल में बेन कटिंग ने सनराइजर्स हैदराबाद के लिए नाबाद 39 रन बनाने के साथ साथ दो विकेट भी झटके थे। बेन कटिंग ने हाल में संपन्न पाकिस्तान सुपर लीग 2021 में 9 पारियों में 164 के ज्यादा के स्ट्राइक रेट से कुल 197 रन बनाए थे। श्रीलंका के सीमित ओवर्स टीम के मौजूदा कप्तान दासुन शनाका पिछले कुछ वर्षों से क्रिकेट के छोटे फॉर्मेट में शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। शनाका ने आईपीएल 2022 मेगा ऑक्शन के लिए अपना नाम रजिस्टर्ड कराया था। लेकिन वह किसी भी फ्रेंचाइजी को अपनी ओर आकर्षित करने में असफल रहे। भारत में इस वर्ष फरवरी में आयोजित टी20 सीरीज में मेजबान टीम के खिलाफ वह श्रीलंका की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। उन्होंने ती मैचों में 124 रन बनाए थे। दासुन शनाका साल 2016 से टी20 क्रिकेट खेल रहे हैं।

वह भारतीय परिस्थितियों में किसी भी टीम के लिए बेहतरीन खिलाड़ी साबित हो सकते हैं। साउथ अफ्रीका के अनुभवी ऑलराउंडर डेविड वीज पर भले आईपीएल 2022 मेगा ऑक्शन में किसी फ्रेंचाइजी ने दांव नहीं लगाया हो, वीज साल 2015 और 2016 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए आईपीएल में खेल चुके हैं।

भारतीय मुक्केबाज गोविंद साहनी ने गोल्ड पर साधा निशाना, थाईलैंड ओपन में थुआमचेरोन किया पस्त

नई दिल्ली ।

भारतीय मुक्केबाज गोविंद साहनी (48 किग्रा) ने स्थानीय दावेदार नटहाफोन थुआमचेरोन पर आसान जीत के साथ फुकेट में थाईलैंड ओपन का स्वर्ण पदक जीता। भारतीय मुक्केबाज ने अपने दमदार मुक्कों से तीनों दौर में दबदबा बनाते हुए 5-0 से जीत दर्ज की। अमित पंघाल (52 किग्रा) और मोनिका (48 किग्रा) को हालांकि फाइनल में हार के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा। विश्व चैंपियनशिप 2019 के रजत पदक विजेता पंघाल को फिलिपीन्स के रोगेन लेडन के खिलाफ बेहद कड़े मुकाबले में खंडित फैसले में 2-3 से शिकस्त का सामना करना पड़ा। दोनों मुक्केबाजों के बीच बेहद कड़ा मुकाबला देखने को मिला। भारत के 26 साल के पंघाल ने पहला दौर जीता लेकिन लेडन अगले दो दौर जीतकर मुकाबला अपने नाम करने में सफल रहे। दूसरी तरफ मोनिका को भी कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद स्थानीय मुक्केबाज चुटामस राक्सा के खिलाफ 0-5 की हार के साथ रजत पदक मिला। भारत ने टूर्नामेंट में एक स्वर्ण, दो रजत और तीन कांस्य पदक के साथ कुल छह पदक जीत लिए हैं। इससे पहले शुक्रवार को मनीषा (57 किग्रा), पूजा (69 किग्रा) और भाग्यवती कचारी (75 किग्रा) ने कांस्य पदक जीते। टूर्नामेंट के पिछले सत्र में भारत ने एक स्वर्ण, चार रजत और तीन कांस्य पदक के साथ कुल आठ पदक जीते थे। शनिवार को ही आशीष कुमार, अनंत प्रह्लाद चोपाडे, वरिंदर सिंह और सुमित भी स्वर्ण पदक के लिए चुनौती पेश करेंगे।

जॉर्ज बेली ने कहा, वेड अभी भी टी-20 में ऑस्ट्रेलिया की पहली पसंद

मेलबोर्न । ऑस्ट्रेलियाई पुरुष क्रिकेट टीम के चयनकर्ता पैनल के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा है, कि मैथ्यू वेड अभी भी टी-20 में ऑस्ट्रेलिया की पहली पसंद के विकेटकीपर हैं। दरअसल वेड को 2022-23 सीजन के लिए क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की ओर से केंद्रीय अनुबंध की सूची से हटाया गया है। उनके बजाय 27 वर्षीय जोश इंग्लिस को अनुबंधित किया है। इसके बाद वेड को बाहर रखने के बाद उठ रहे विवाद को लेकर बेली ने बयान दिया है। बेली ने वेड और केंद्रीय अनुबंध से बाहर हुए अन्य खिलाड़ियों के बारे में कहा कि हमें पूरी उम्मीद है कि ये सभी खिलाड़ी भविष्य में बहुत जल्द ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने वाले हैं। पूरी संभावना है कि वे सभी शायद हमारी अगली टूरिंग टीम (दौरा करने वाली टीम) में चुने जाएंगे। वेड अभी भी हमारी टी-20 टीम में हमारी पहली पसंद के विकेटकीपर है और इस साल होने वाले विश्व कप के लिए एक बड़ा निर्माण हो रहा है। केन रिचडर्सन के साथ भी कुछ ऐसा ही है। उल्लेखनीय है कि इंग्लिस ने इस साल फरवरी में श्रीलंका के खिलाफ सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में टी-20 मैच के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। उन्होंने हाल ही में पाकिस्तान में एकमात्र टी-20 में विकेट भी लिए रखे। इस दौरे के लिए वेड टीम में जगह नहीं बना पाए थे। यह ध्यान में रखकर बेली का यह बयान वेड के लिए बहुत अधिक मायने रखता है, जो इस साल के अंत में घर पर होने वाले आईसीसी टी-20 विश्व कप में फिर से विकेटकीपर की भूमिका चाहते हैं। बेली ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि इंग्लिस ने उन्हें मिले अवसरों को भुनाया है। वह स्पष्ट रूप से हमारे कीपर-इन-वेटिंग हैं, हालांकि मुझे लगता है कि वह टेस्ट और वनडे प्रारूप में एलेक्स कैरी से पीछे हैं और टी-20 प्रारूप में वेड के पीछे कीपर-इन-वेटिंग हैं।

ठेला पर सब्जी बेच रही मां,महिला जूनियर हॉकी विश्व कप में बेटी कर रही कमाल

लखनऊ ।

कैसर जहां लखनऊ की तोपखान बाजार की तंग गलियों में चिलचिलाती गर्मी में सब्जी का ठेला लगाती हैं। शुक्रवार की नमाज से पहले उनके ठेले के पास हमेशा की तरह भीड़ थी। ठीक उसी समय साउथ अफ्रीका के पॉचेफस्ट्रूम में हो रहे महिला जूनियर हॉकी विश्व कप में उनकी बेटी मुमताज खान ने खेल के 11वें मिनट में साउथ कोरिया की गोलकीपर को छकाकर गोल दाग दिया। मुजताज के गोल ने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में भारत की जीत की नींव रखी। मैच में भारत ने कोरिया को 3-0 से शिकस्त दी। भारतीय महिला हॉकी टीम प्रतियोगिता में दूसरी बार सेमीफाइनल में पहुंची है। हालांकि सब्जी बेच रहीं कैसर जहां विश्व कप में अपनी बेटी के कमाल को नहीं देख सकीं। मुमताज को शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच के खिताब से नवाजा गया। हालांकि मां को बेटी को खेलते हुए देख पाने का मलाल नहीं है। कैसर का मानना है कि भविष्य में इसतरह के कई और मौके आएंगे जब वह अपनी बेटी को गोल करते हुए देखूंगी। कैसर जहां ने कहा, वहां मेरे लिए एक व्यस्त समय था।मैं अपनी बेटी को गोल करते हुए देखना पसंद करती। लेकिन मुझे रोजी-रोटी भी कमानी है। मुझे उम्मीद है कि भविष्य में इसतरह के कई मौके आएंगे जब मैं अपनी बेटी को गोल करते देखूंगी। दूसरी तरफ देखा जाए तब मां का भरोसा गलत नहीं है। क्योंकि जूनियर स्तर से आगे का सफर मुश्किल होता है।लेकिन मुमताज के अंदर जो गति, क्षमता और प्रतिभा हैं, उस देखकर लगता है कि वह सीनियर लेवल पर टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी। भारत ने जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप में अब तक चार में से चार मैच जीते हैं, जिसमें मुमताज का योगदान सबसे ज्यादा रहा। मुमताज ने जूनियर महिला हॉकी विश्व कप में अभी तक 6 गोल दागे हैं।वह प्रतियोगिता में सबसे ज्यादा गोल करने वाली तीसरी खिलाड़ी हैं। भारत के शुरुआती मैच में वेल्स के खिलाफ उन्होंने गोल किया। इसके बाद वह जर्मनी के विरुद्ध गोल करने में सफल रहीं। वहीं मलेशिया के विरुद्ध उन्होंने सनसनीखेज हैट्रिक लगा दी थी। 8 अप्रैल को साउथ कोरिया के खिलाफ हुए मैच में मुमताज ने अपने पहले गोल से भारत को बढ़त दिलाई।

तब उस समय लखनऊ में उनकी बहनें मोबाइल पर मैच देख रही थीं। जबकि पिता हाफिज मस्जिद में थे। मुमताज की बहन फराह कहती हैं यह बता पाना मुश्किल है कि आज हम कैसा महसूस कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

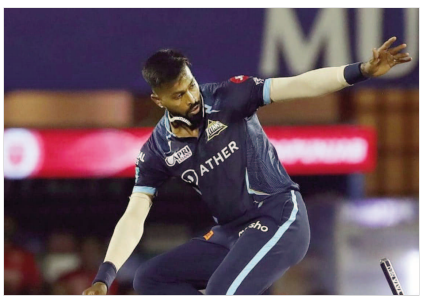

गुजरात दूसरे स्थान पर, टॉप पर लखनऊ का कब्जा बरकरार

मुंबई । युवा बल्लेबाज शुभमन गिल की आकर्षक पारी और राहुल तेवतिया के लगातार दो छक्कों की मदद से गुजरात ने टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पंजाब किंग्स को रोमांचक मुकाबले में 6 विकेट से हराया। गुजरात को आखिरी ओवर में 19 रन चाहिए थे। हार्दिक पंड्या (18 गेंदों पर 27 रन) रन आउट हुए और टीम को अंतिम दो गेंदों पर 12 रन की जरूरत थी। तेवतिया (तीन गेंदों पर नाबाद 13) ने ओडियन स्मिथ पर डीप मिडिवकेट और लांग आन पर छक्के जड़े, इससे गुजरात ने चार विकेट पर 190 रन बनाकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। गिल ने 59 गेंदों पर 11 चौकों और एक छक्के की मदद से 96 रन बनाए। पंजाब ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित करने पर नौ विकेट पर 189 रन बनाये थे। जीत के साथ ही गुजरात की टीम आईपीएल अंकतालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। पंजाब किंग्स की टीम छठे स्थान पर है। जॉस बटलर अभी भी सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में शीर्ष पर बने हुए हैं। गुजरात टाइटंस के खिलाफ लियाम लिविंगस्टोन ने 27 गेंदों पर 64 रन बनाए। इसके साथ वह ही तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में उमेश यादव अब भी शीर्ष पर बने हुए हैं। दूसरे नंबर पर युजवेंद्र चहल और तीसरे नंबर पर राहुल चाहर हैं। दोनों के नाम 7-7 विकेट दर्ज है।

कप्तान पांड्या ने किया खुलासा, मैंच का असली हीरो राहुल तेवतिया

मुंबई । गुजरात टाइटंस ने रोमांचक मुकाबले में पंजाब किंग्स को 6 विकेट से हरा दिया। मैच में गुजरात की टीम को आखिरी दो गेंदों पर 12 रन की जरूरत थी। राहुल तेवतिया ने लगातार दो गेंदों पर दो छक्के लगाकर टीम को जीत दिला दी। यह गुजरात की लगातार तीसरी जीत थी, जिसके बाद वहां अंक तालिका में दूसरे स्थान पर आ गई है। मैच जीतकर टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या काफी खुश हैं। मैच जीतने के बाद पांड्या ने कहा कि जिस तरह से मैच में उतार-चढ़ाव देखने को मिले उस समय मैंने खुद पर संयम रखा। राहुल की बल्लेबाजी कमाल की थी। यह बहुत मुश्किल होता है, कि आप जाओ और दबाव भरी परिस्थितियों में शॉट्स खेलो। यह बहुत ही शानदार मैच रहा। मेरी उनके साथ सहानुभूति है। गिल की पारी पर हार्दिक पांड्या ने कहा कि वह सभी को बता रहा है कि वह इस स्तर पर और भी बढ़िया क्रिकेट खेल सकता है। जीत का श्रेय साई सुदर्शन को भी जाता है क्योंकि उन्होंने शुभमन के साथ अच्छी साझेदारी निभाई। जिसने हमें खेल में बनाए रखा। अपने प्रदर्शन पर पांड्या ने कहा कि मैं लगातार अपने खेल में सुधार ला रहा हूं और दिन-ब-दिन बढ़िया होता जा रहा हूं। मैं गेंदबाजी करते समय थक गया था कि क्योंकि मै चार ओवर फेंकने का आदि नहीं हूं। पर बावजूद इसके मैं खुद को बेहतर बना रहा हूं।

युज़वेंद्र चहल के 15वें माले से नीचे लटकाने के खुलासे के बाद शास्त्री बोले- ऐसा करने वालों पर आजीवन प्रतिबंध लगे

मुंबई ।

भारतीय क्रिकेटर और बेहतरीन लेग स्पिनर युज़वेंद्र चहल द्वारा खुद के ऊपर हुए शारीरिक उत्पीड़न के खुलासे पर खेल जगत हतप्रभ है। भारत के पूर्व कोच और वर्तमान में कमेंटेटर रवि शास्त्री ने कहा है कि ऐसे कार्यों को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाना चाहिए और ऐसा करने वालों पर तुरंत आजीवन प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। शास्त्री ने एक विशेष कार्यक्रम के दौरान कहा, यह हंसने वाली बात नहीं है। अगर कोई व्यक्ति होश में नहीं है तो उसे सार्वजनिक जगहों पर जाना ही नहीं चाहिए। यह चिंता की बात है क्योंकि उस वक्त किसी की जिंदगी जोखिम में थी। कुछ लोग इसे मजाक के तौर पर देख सकते हैं, लेकिन मेरे लिए यह मजाक नहीं है। एक छोटी से भी गलती से किसी की जान जा सकती थी और इसे नहीं स्वीकारा जा सकता। क्रिकेटिंग सर्किल में मैं ऐसी भयानक बात पहली बार सुन रहा हूं और इसे बिल्कुल भी मजाक में नहीं लेना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि ऐसे मामलों को बोर्ड और फ्रैंचाइजी को भी तुरंत गंभीरता से लेना चाहिए और ऐसा करने वालों पर तुरंत आजीवन प्रतिबंध लगाना चाहिए, ताकि वे क्रिकेट के मैदान पर कभी वापस नहीं आ सकें। इसके अलावा ऐसे व्यक्ति को तुरंत सुधार गृह (रिहैब सेंटर) में भी भेजा जाना चाहिए। उन्होंने चहल की भी तारीफ करते हुए कहा कि वह इसे बताने के लिए आगे आए। हालांकि उन्होंने कहा कि किसी भी खिलाड़ी के साथ ऐसा होता है तो उन्हें तुरंत आगे आना चाहिए और जिम्मेदार लोगों को बताना चाहिए ताकि तुरंत कार्यवाही हो सके। गौरतलब है कि हाल ही में राजस्थान रॉयल्स के एक वीडियो कार्यक्रम में चहल ने खुलासा किया है कि 2013 आईपीएल के दौरान उन्हें शारीरिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ा था। इस दौरान वह मुंबई इंडियंस का हिस्सा थे। उन्होंने बताया कि मुंबई इंडियंस के उनके एक साथी खिलाड़ी ने शराब के नशे में 15वें माले की बालकनी से नीचे लटका दिया था।

इसके बाद चहल बेहोश भी हो गए थे। पूर्व स्पिनर पीयूष चावला ने भी इसकी आलोचना करते हुए कहा, यह मजाक नहीं है, यह उससे आगे की बात है। जरा सी भी गलती से इसमें किसी की जान जा सकती थी। आप कोई वहां स्टंट नहीं कर रहे थे कि आप विशेषज्ञों की निगरानी में पूरे नियंत्रण में हैं ।

4 करोड़ के कार्तिक त्यागी को डेल स्टेन का मशविरा, फरारी कार हो तुम, डायरेक्ट छठे गियर में नहीं चलोगे

नई दिल्ली । सनराइजर्स हैदराबाद के जॉबाज पेसर कार्तिक त्यागी जब अभ्यास के लिए टीम में नेट्स में शामिल हुए। तो उन्हें अनुभवी पेसर डेल स्टेन से मशविरा मिला। स्टेन फिलहाल हैदराबाद टीम के गेंदबाजी कोच के तौर पर जिम्मेदारी निभा रहे हैं। कार्तिक त्यागी को सनराइजर्स हैदराबाद ने मेगा ऑक्शन में 4 करोड़ रुपये में खरीदा था। हैदराबाद ने भुवनेश्वर कुमार, टी नटराजन और उमरान मलिक जैसे गेंदबाजों की मौजूदा टीम में युवा कार्तिक त्यागी को मौका दिया। कार्तिक त्यागी ने राजस्थान रॉयल्स के साथ खेलते हुए अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन किया था। वह 140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करते हुए बल्लेबाजों को छकाते थे। इतना ही नहीं, कभी-कभी 145 किमी प्रति घंटे की रफ्तार को भी छू लेते थे। सनराइजर्स हैदराबाद के सोशल मीडिया अकाउंट की ओर से शेयर किए गए एक वीडियो में स्टेन प्रैक्टिस सेशन के दौरान युवा खिलाड़ी से बात करते हुए नजर आ रहे हैं। वीडियो में दिख रहा है कि स्टेन 21 वर्षीय कार्तिक को सलाह देते हुए कहते हैं, 'बस धीरे-धीरे। आप फरारी (कार) हैं, आप पहले गियर में उतरते हैं, छठे गियर में नहीं। धीरे-धीरे लेकिन निश्चित रूप से, मैं चाहता हूं कि आप छठे गियर में पहुंच जाएं।' हैदराबाद का आईपीएल के मौजूदा सीजन में आगाज अच्छा नहीं रहा है। टीम अभी तक अपने दोनों मैच हारी है। इस टीम के गेंदबाजी कोच के रूप में स्टेन भी यादगार शुरुआत नहीं कर पाए क्योंकि राजस्थान के खिलाफ मैच में हैदराबाद के गेंदबाजों ने 210 रन लुटा दिए। बाद में इस मुकाबले को केन विलियमसन की कप्तानी वाली टीम हैदराबाद 61 रन से हार गई। कार्तिक त्यागी ने कहा, 'सबसे पहले, मैं पूरी टीम से मिला। मैं कोच डेल से भी मिला, मैं उनके साथ काम करने के लिए उत्साहित था। कार्तिक त्यागी ने कहा, 'सबसे पहले, मैं पूरी टीम से मिला। मैं कोच डेल से भी मिला, मैं उनके साथ काम करने के लिए उत्साहित था। पहला सेशन थोड़ा थका देने वाला था, टीम में शामिल होने में काफी अच्छा लगा। मैं अपनी दिनचर्या में वापस आने की कोशिश कर रहा हूं। मैंने ज्यादा ओवर फेंकने की कोशिश की, फील्डिंग की कोशिश की। मैं यॉर्कर का अभ्यास कर रहा हूं और नई गेंद से गेंदबाजी कर रहा हूं।'

राहुल ने धमाकेदार पारी के दीवाने हुए क्रिकेटर्स से लेकर बालीवुड सितारे

मुंबई । पंजाब किंग्स के खिलाफ गुजरात टाइटंस ने आखिरी गेंद पर 6 विकेट से मैच जीत लिया। गुजरात की टीम को आखिरी दो गेंदों पर 12 रन की जरूरत थी। क्रीज पर मौजूद राहुल तेवतिया ने ओडिएन स्मिथ की आखिरी दो गेंदों पर छक्का जड़कर टीम को रोमांचक जीत दिला दी। जीत के बाद सोशल मीडिया पर राहुल की खूब तारीफ हो रही है। क्रिकेटर्स से लेकर फिल्म स्टार्स तक सभी तेवितया की इस बल्लेबाजी की तारीफ कर रहे हैं। गौर हो कि आखिरी ओवर में गुजरात को 19 रन चाहिए थे। पहली ही गेंद पर हार्दिक पांड्या आउट हो गए। उसके बाद बल्लेबाजी के लिए राहुल तेवतिया को 3 गेंदें खेलने को मिली जिसमें उन्होंने पहली गेंद पर एक रन लिया। आखिरी की दो गेंदों पर दो छक्के लगाकर तेवतिया ने गुजरात को जीत दिला दी।

चुनौतियां आपको बेहतर बनाती हैं मैं भी बेहतर खिलाड़ी बन रहा हूं : हार्दिक पांड्या

मुंबई ।

टीम इंडिया के हरफनमौला खिलाड़ी हार्दिक पांड्या इंडियन प्रीमियर लीग टीम गुजरात टाइटंस के कप्तान की नई भूमिका में हैं। उन्होंने कहा कि अतिरिक्त जिम्मेदारी और चुनौती आपको बेहतर क्रिकेटर बनाती हैं। शुक्रवार को आईपीएल में कप्तान के रूप में पांड्या ने तीन मैचों में लगातार तीसरी जीत दर्ज की जब गुजरात टाइटंस ने पंजाब किंग्स को छह विकेट से हराया। टीम अंक तालिका में दूसरे स्थान पर चल रही है। टीम की अगुआई करते हुए पांड्या बल्ले से योगदान दे रहे हैं और साथ ही अपने कोटे के चार ओवर भी पूरे कर रहे हैं। पांड्या ने मैच के बाद कहा, 'मैं कप्तानी का लुत्फ उठा रहा हूं, हमेशा क्रिकेटर के रूप में जिम्मेदारी चाहता था और यही कारण है कि मैं बेहतर क्रिकेटर बन रहा हूं क्योंकि चुनौतियों का सामना करने से आप बेहतर होते हो।% उन्होंने कहा, 'जीत हो या हार हमारी टीम तटस्थ रहने का प्रयास करती है, हम अपनी हार का भी जश्न मनाते हैं क्योंकि वे काफी महत्वपूर्ण होती हैं। इससे आपकी जीत की अहमियत बढ़ जाती है। युवा शुभमन गिल ने 59 गेंद में 96 रन की शानदार पारी खेली जिसके बाद आलराउंडर राहुल तेवतिया ने अंतिम दो गेंद पर दो छक्के जड़कर टाइटंस को यादगार जीत दिला दी। गिल शानदार फॉर्म चल रहे हैं। उन्होंने पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ भी 84 रन बनाए थे। पांड्या ने कहा, 'शुभमन काफी जिम्मेदारी ले रहा है और यह उसकी बल्लेबाजी में झलक रहा है।

उसे पता है कि वह फ्रेंचाइजी के लिए कितना महत्वपूर्ण है और पिछले दो मैच में उसने जिस तरह बल्लेबाजी की है उसे देखते हुए मेरे पास उसे कहने के लिए कुछ नहीं है। बस लुत्फ उठाओ। पांड्या ने कहा कि राशिद खान उनके लिए तुरुप का इक्का हैं ।

दक्षिण कोरिया के सुनचेन में बीडब्लूएफ कोरिया ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप 2022 में मलेशिया के टैन कियान मेंग/लाई पेई जिंग के खिलाफ मिश्रित युगल क्वार्टर फाइनल

विश्व प्रसिद्ध यात्राधाम अंबाजी गब्बर में नवनिर्मित भारत के सबसे बड़े लाइट एंड साउंड शो उद्घाटन

बनासकांठा । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने शुक्रवार को विश्व प्रसिद्ध यात्राधाम अंबाजी गब्बर में 13.35 करोड़ रुपए के खर्च से नवनिर्मित भारत के सबसे बड़े लाइट एंड साउंड शो के उद्घाटन अवसर पर कहा कि अंबाजी गब्बर में निर्मित यह लाइट एंड साउंड शो आने वाले समय में अंबाजी तीर्थ धाम का अनोखा आकर्षण बनेगा। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर विश्व प्रसिद्ध यात्राधाम अंबाजी में 'श्री 51 शक्तिपीठ परिक्रमा महोत्सव' की भी शुरुआत हुई है, तब यह महोत्सव पवित्र यात्राधाम के विकास को और भी तेजी देगा। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने एक ऐसी कार्यप्रणाली विकसित की है जिसमें वह जिसका शिलान्यास करती है, उसका लोकार्पण भी वही करती है। इसका उदाहरण आज आप सभी के समक्ष है। उन्होंने आगे कहा कि नरेन्द्र मोदी ने देशभर में एक ही जगह पर इक्यावन शक्तिपीठ का जो संकल्प किया था वह साकार हुआ है। उन्होंने कहा कि आद्यशक्ति धाम के दर्शन को आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को अब एक ही स्थल पर एक साथ 51 शक्तिपीठ के दर्शनों का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री ने पवित्र यात्राधाम अंबाजी में सांस्कृतिक विलेज का उद्घाटन तथा अंबाजी मंदिर की अद्यतन वेबसाइट एवं गुजरात पवित्र यात्राधाम विकास बोर्ड की ओर से विकसित किए गए मोबाइल ऐप को भी लॉन्च किया।

इस अवसर पर सड़क एवं भवन विभाग मंत्री पूर्णेश मोदी ने कहा कि चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के करकमलों से पवित्र यात्राधाम अंबाजी में अनेक प्रकल्पों का लोकार्पण एवं प्रारंभ करवाकर यात्रियों को सौगात दी है। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी के विजन और मार्गदर्शन के अंतर्गत जिस 'श्री 51 शक्तिपीठ' की रूपरेखा का आयोजन किया गया था, वह साकार होते नजर आ रही है। मोदी ने कहा कि हिंदुस्तान यात्राओं का देश है, ऐसे में राज्य और केंद्र सरकार देशभर के प्रत्येक यात्राधाम का विकास कर रही है। राज्य के युवाओं की धर्म भक्ति और शक्ति को राष्ट्रीय भक्ति और शक्ति में परिवर्तित करने को राज्य सरकार संकल्पबद्ध है।

गुजरात में अप्रैल महीने की गर्मी ने तोड़ा 10 साल का रिकार्ड, कंडला में 45.2 डिग्री तापमान

अहमदाबाद। गुजरात में अप्रैल महीने की गर्मी ने पिछले 10 साल का रिकार्ड तोड़ दिया है। अहमदाबाद समेत राज्य के 5 शहरों का तापमान 44 डिग्री को पार कर गया है। कच्छ के कंडला एयरपोर्ट पर सबसे अधिक तापमान 45.2 डिग्री दर्ज हुआ। भीषण गर्मी के बीच राज्य में दो दिन गंभीर हिटवेव की मौसम विभाग ने संभावना व्यक्त की है। जिसके मुताबिक इस दौरान तापमान 45 डिग्री को पार कर सकता है। राज्य के कई इलाकों में ऑरेंज तो कहीं यलो अलर्ट जारी किया गया है। उत्तर गुजरात, सौराष्ट्र और कच्छ के ज्यादातर शहरों में सिवियर हिटवेट की चेतावनी जारी की गई है। राजकोट और अमरोली में यलो अलर्ट जारी किया गया है। जबकि अहमदाबाद, सुरेन्द्रनगर, बनासकांठा, पाटन, कच्छ, जूनागढ़ और पोरबंदर में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। यलो अलर्ट में तापमान 41 से 43 डिग्री और ऑरेंज अलर्ट में 43 से 45 डिग्री तक जा सकता है। ज्यादातर शहरों में गर्मी ने पिछले 10 साल का रिकार्ड तोड़ दिया है। अधिकांश शहरों में तापमान 43 डिग्री से अधिक दर्ज हुआ। जिसकी वजह से लोगों का घरों से बाहर निकलने दूभर हो गया है। मौसम विभाग के मुताबिक दो दिनों के बाद तापमान में 2 डिग्री की गिरावट आएगी। हांलाकि गर्मी का प्रकोप बरकरार रहेगा। मौसम विभाग ने लोगों से अकारण घरों से बाहर नहीं निकलने और गर्मी व लू से बचने एहतियाती उपाय करने की अपील की है। गुजरात में आज सबसे अधिक गर्मी कंडला एयरपोर्ट पर 45.2 डिग्री दर्ज हुई। वहीं अहमदाबाद और सुरेन्द्रनगर में 44 डिग्री, उत्तर गुजरात के गांधीनगर व डीसा में 43.8 डिग्री तापमान दर्ज हुआ। भीषण गर्मी के कारण दोपहर होते ही ज्यादातर सड़कों पर सन्नाटा पसर जाता है।

न्याय में इच्छित परिणाम के लिए सभी पक्षों को मध्यस्थता के प्रति सकारात्मक रवैया रखना चाहिए: राष्ट्रपति

अहमदाबाद।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने त्वरित न्याय प्रक्रिया पर जोर देते हुए कहा कि न्याय में इच्छित परिणाम तक पहुंचने के लिए सभी पक्षों को मध्यस्थता को लेकर सकारात्मक रवैया रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि पिछले दो दशकों में विवादों के वैकल्पिक समाधान की पद्धति न्याय तंत्र में प्रभावी साबित हुई है। विशेषकर दीवानी मामलों में इसके जरिए सुखद समाधान लाया जा सकता है। राष्ट्रपति ने यह बात शनिवार को गुजरात के नर्मदा जिले के केवड़िया में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के पास स्थित एकता नगर में 'मध्यस्थता और सूचना प्रौद्योगिकी' विषय पर आधारित दो दिवसीय राष्ट्रीय न्यायिक सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कही। इस अवसर पर गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, देश के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) न्यायमूर्ति एन.वी. रमना, केंद्रीय विधि मंत्री किरण रिजिजू, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और सर्वोच्च न्यायालय एवं विभिन्न उच्च न्यायालयों के न्यायाधीश उपस्थित थे।

इस अवसर पर अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने लीगल प्रैक्टिशनर यानी अधिवक्ता के रूप में अपने दिनों को याद करते हुए कहा कि उन वर्षों के दौरान उनके मन-मस्तिष्क पर जो मुद्दे छाए रहते थे, उनमें से एक 'एक्सेस टू जस्टिस' अर्थात न्याय तक पहुंच का मुद्दा भी था। 'न्याय' शब्द में बहुत कुछ समाहित है और हमारे संविधान की प्रस्तावना में उस पर समुचित तरीके से जोर दिया गया है। उन्होंने प्रत्येक व्यक्ति तक न्याय की पहुंच को कैसे सुधारा जा सकता है उस विषय पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सम्मेलन के लिए विषयों का चुनाव बहुत सावधानी से किया गया है। न्याय तंत्र में वैकल्पिक विवाद समाधान (एडीआर) तंत्र तथा सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) दोनों कई वजहों से काफी महत्वपूर्ण हैं, लेकिन उनके लिए वह इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वह सिस्टम को और भी कार्यकुशल बनाने में सहायक होगा और न्याय देने के लिए ज्यादा सक्षम बनेगा। राष्ट्रपति ने कहा कि पिछले दो दशकों के दौरान सभी पक्षकारों ने विवाद के समाधान के लिए मध्यस्थता को प्रभावी साधन माना है और उसे प्रोत्साहन दिया है। कई कानूनी विद्वानों ने यह भी अवलोकन किया है कि नागरिक अधिकारों के संदर्भ में लोगों के बीच अदालतों में लंबित ज्यादातर मामले ऐसे होते हैं कि उन्हें निर्णय की जरूरत नहीं है। ऐसे मामलों में पक्षकार मध्यस्थों के संरचनात्मक हस्तक्षेप के मार्फत उनके विवाद का समाधान कर सकते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि मध्यस्थता का उद्देश्य विवाद का किसी आदेश या शक्ति के जरिए निराकरण करने का नहीं बल्कि पक्षकारों को व्यवस्थित मध्यस्थता बैठकें आयोजित कर समाधान पर पहुंचने के लिए प्रोत्साहित करने का है। कानून एक प्रोत्साहन भी देता है, यदि किसी भी लंबित मामले को मध्यस्थता के जरिए सुलझाया जाता है, तो आवेदक पक्ष द्वारा जमा की गई संपूर्ण न्यायालय फीस को वापस कर दिया जाता है। इस तरह देखा जाए तो वास्तव में मध्यस्था से समाधान लाने में हर पक्ष विजेता है। राष्ट्रपति ने कहा कि मध्यस्थता की अवधारणा को अभी पूरे देश में व्यापक स्वीकृति नहीं मिली है। कई स्थानों पर पर्याप्त प्रशिक्षित मध्यस्थ उपलब्ध नहीं है। कई मध्यस्थता केंद्रों पर बुनियादी सुविधाओं को अपग्रेड करने की जरूरत है।

रेलवे परिसर में हो रहे अपराधों को उजागर करने में सीसीटीवी की अहम भूमिका

अहमदाबाद । उत्कृष्टता की ओर आगे बढ़ते हुए पश्चिम रेलवे ने साल दर साल खुद को बेहतर बनाया है। पश्चिम रेलवे का रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) अपने यात्रियों की सुरक्षा को बेहतर बनाने और बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वर्ष 2021 में पश्चिम रेलवे के आरपीएफ ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। पश्चिम और मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अनिल कुमार लाहोटी ने आरपीएफ द्वारा चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद अपनी अद्भुत उपलब्धियों के लिए किए गए प्रयासों की सराहना की है/ पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार रेलवे अधिनियम के तहत विभिन्नस मामलों से वसूल किए गए जुर्माने में 90त्न की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पश्चिम रेलवे के रेल सुरक्षा बल द्वारा सामान का पता लगाने और उन्हें सही मालिकों को सौंपने के मामलों का प्रतिशत 97.5% बढ़ा है। एनडीपीएस मामलों का पता लगाने और आगे की जांच के लिए सौंपने के मामलों में 180 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। सीसीटीवी कैमरों की मदद से पता लगाए गए मामलों की संख्या में वर्ष 2020 की तुलना में वर्ष 2021 में 487.5% की वृद्धि हुई। पश्चिम रेलवे के रेल सुरक्षा बल ने वर्ष भर यात्रियों और रेलवे संपत्ति की सुरक्षा के लिए कई अभियान चलाए। वर्ष 2021 में ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते के तहत पश्चिम रेलवे के रेल सुरक्षा बल ने सीडब्ल्यूसी और गैर सरकारी संगठनों के समन्वय में अनुवर्ती कार्रवाई के साथ 385 लड़कों और 212 लड़कियों को बचाया। वर्ष के दौरान रेल सुरक्षा बल ने लगभग 2.58 करोड़ रु. मूल्य1 के सामानों को उनके असली मालिकों को लौटाया। पश्चिम रेलवे के रेल सुरक्षा बल ने अपनी ड्यूटी से परे अपनी जान जोखिम में डालकर कर विभिन्न रेलवे स्टेशनों और परिसरों में चलती ट्रेनों के नीचे आ जाने के खतरों से 34 लोगों की जान बचाई है। रेल परिसर में रेलवे संपत्तियों की सुरक्षा के लिए पश्चिम रेलवे का रेल सुरक्षा बल विशेष प्रयास कर रहा है। इस संबंध में रेलवे संपत्ति के विरुद्ध अपराध की रोकथाम/पहचान में 62 लाख रुपये मूल्यी की रेल संपत्ति जब्त की गई और 847 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया।

ठाकुर ने बताया कि रेल सुरक्षा बल मिशन यात्री सुरक्षा के तहत यात्रियों के खिलाफ अपराध से निपटने में राज्य पुलिस के प्रयासों के साथ मिलकर इसे पूरा करता है। रेल सुरक्षा बल यात्रियों की शिकायतों के निवारण के लिए रेल मदद, ट्विटर और हेल्पलाइन नंबर 139 के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का समाधान करता है। वर्ष 2021 में आरपीएफ ने 291 अपराधियों को पकड़कर कानूनी कार्रवाई के लिए राज्य पुलिस के हवाले किया। ऑपरेशन सतर्क के तहत पश्चिम रेलवे के रेल सुरक्षा बल ने अवैध शराब, नकली भारतीय मुद्रा नोट (एफआईसीएन), तंबाकू और उसके उत्पादों, बेहिसाब नकदी, कीमती सामान, तस्करी, प्रतिबंधित वस्तु एं आदि के परिवहन के खिलाफ कार्रवाई की। रेल सुरक्षा बल द्वारा 26 लाख से अधिक मूल्यी की वस्तुएं बरामद की गईं और 359 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया और कानूनी कार्रवाई के लिए संबंधित विधि-प्रवर्तन एजेंसियों को सौंप दिया गया।

वेल्थ मैनेजमेंट के क्षेत्र में मेहता वेल्थ को मोस्ट एडमायर बीएफएसआई लीडर अवार्ड

मुंबई। गुजरात में सूरत स्थित मेहता वेल्थ लिमिटेड ने बैंकिंग, वित्त, धन प्रबंधन, बीमा और निवेश योजना क्षेत्रों में सबसे अधिक विज्ञापन बीएफएसआई लीडर का पुरस्कार जीता है। कंपनी धन प्रबंधन में माहिर है। उन्होंने मुंबई में ईटी नाउ वर्ल्ड बीएफएसआई कांग्रेस और अवार्ड्स में टॉप मोस्ट एडमिरर बीएफएसआई लीडर्स का पुरस्कार जीता है। 2005 में स्थापित, एचएनआई के लिए अनुकूलित निवेशक पोर्टफोलियो की पेशकश करने वाली कंपनी को सिलिकॉन इंडिया, द सीईओ स्टोरी और द बिजनेस फेम जैसी लोकप्रिय व्यावसायिक पत्रिकाओं में भी व्यापक रूप से चित्रित किया गया है।

वित्त, धन प्रबंधन में अग्रणी कंपनी केयूर मेहता - (अध्यक्ष और सीआईओ), कुणाल मेहता - (एमडी और सीईओ), किंजल मेहता - (निदेशक और सीओओ) तीनों द्वारा संचालित हैं। जिनकी ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और दृढ़ता ट्रेडमार्क हैं। इसके अलावा, कंपनी ने कोविड महामारी में बीमा और प्रबंधन क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन प्रदान करके समाज में वित्तीय नियोजन के बारे में जागरूकता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

सूरत ज्वैलरी मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन द्वारा आयोजित स्पोर्ट्स मीट

हीरा आभूषण उद्योग में शामिल 40,000 कारीगरों की मानसिक थकान को कम करने के लिए खेल समर्थन

सूरत भूमि, सूरत। सूरत ज्वैलरी मैन्युफैक्चरिंग एसोसिएशन (एसजेएमए) द्वारा 6 से 10 अप्रैल तक पाल डी-विला क्रिकेट ग्राउंड में स्पोर्ट्स मीट का आयोजन किया गया है। किरण ज्वैलर्स, ज्वेल गोल्ड ज्वैलर्स, एसआरके ज्वैलर्स, के.पी. संघवी ज्वैलर्स, गुरुकृपा ज्वैलर्स, मणि ज्वैलर्स, मजारिया ज्वैलर्स, एलवी ज्वैलर्स, वारा ज्वैलर्स, कलिस्टा ज्वैलर्स, पंछी ज्वैलर्स, आदि टीमों ने भाग लिया। एसोसिएशन की अध्यक्ष जयंती सावलिया ने कहा कि स्पोर्ट मीट में क्रिकेट के अलावा महिलाओं के लिए 100 और 400 मीटर की दौड़, वॉलीबॉल, शतरंज और कैरम में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है। स्पोर्ट मीट में विभिन्न खेलों में लगभग 50 खिलाड़ियों ने भाग लिया है। क्रिकेट प्रतियोगिता में विजेता टीम को एक लाख रुपये और उपविजेता टीम को 50,000 रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा।

व्यक्तिगत भाग लेने वाले खेलों में विजेता को दस हजार पुरस्कार दिए जाएंगे। स्पोर्ट्स मीट के अध्यक्ष दीपक गढ़ेसरिया ने कहा,

"हम दो साल से क्रिकेट प्रतियोगिताओं का आयोजन कर रहे हैं।" इस वर्ष क्रिकेट के अलावा अन्य खेलों का भी आयोजन किया गया है। आभूषण निर्माण में शामिल लगभग 40,000 कारीगरों के मनोरंजन के लिए शहर ने स्पोर्ट्स मीट का आयोजन किया है। मानसिक थकान को दूर करने और शरीर को फिट रखने के लिए कारीगरों को खेलों की आवश्यकता होती है। कारीगर और कंपनी प्रबंधन एक दूसरे के परिवारों से मिलने और उनकी घनिष्ठता बढ़ाने के लिए मुलाकात की योजना है। एसोसिएशन हर साल ज्वैलरी एक्सपो और स्पोर्ट्स मीट का आयोजन करता है। मीट में भाग लेने वाले प्रत्येक कारीगर का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया जाता है। स्वास्थ्य जांच के आधार पर उचित उपचार दिया जाता है।

ओरो यूनिवर्सिटी में वेस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी शतरंज टूर्नामेंट का आगाज

सूरत। वेस्ट जोन इंटर यूनिवर्सिटी शतरंज टूर्नामेंट (महिला) 2022 आज से ओरो विश्वविद्यालय सूरत में शुरू हो गया है। यह टूर्नामेंट 09 अप्रैल से 13 अप्रैल 2022 तक चलेगा। यह मेगा कार्यक्रम ओरो विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा श्री ओरोबिंदो की 150 वीं जयंती के समारोह के हिस्से के रूप में एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटी के सहयोग से आयोजित किया जाता है। इस टूर्नामेंट में लगभग 48 विश्वविद्यालय भाग ले रहे हैं और पश्चिम क्षेत्र के विश्वविद्यालयों के छात्र इसमें भाग ले रहे हैं।

इस टूर्नामेंट का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को शतरंज के प्रति प्रोत्साहित करना और भविष्य में शतरंज को अपने करियर के हिस्से के रूप में राज्य, देश और दुनिया में बढ़ावा देना है।विजेता और उपविजेता को ट्रॉफी दी जाएगी।

कार्यक्रम का उद्घाटन आज गुजरात सरकार के माननीय खेल, युवा मामले और सांस्कृतिक गतिविधि मंत्री श्री हर्ष संघवी द्वारा किया गया। इस अवसर पर वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रो. श्री के.एन. चावड़ाजी और गुजराती फिल्म अभिनेता मल्हार ठाकर मौजूद थे। ओरो विश्वविद्यालय में शारीरिक शिक्षा के सहायक निर्देशक डॉ. जाह्नवी इच्छापुरिया कार्यक्रम की आयोजक सचिव हैं। गौरतलब है कि इस टूर्नामेंट में गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, मध्य प्रदेश, दीव-दमन और राजस्थान के छह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 48 विश्वविद्यालयों के 300 से अधिक छात्र और 52 से अधिक कोच और प्रबंधक भाग ले रहे हैं।

ओरो विश्वविद्यालय हर अतिथि का स्वागत करता है।

मनीष कापड़िया का एनसीयूआई की युवा समिति में चयन

सूरत भूमि, सूरत। सहकारी संस्थाओं का दबदबा लगातार बढ़ रहा है। खासकर गुजरात में सहकारी समितियां सर्वांगीण विकास सूत्र को अपनाकर एक समूह के अधीन कार्य कर रही हैं। मनीष कापड़िया को हाल ही में भारत की सबसे बड़ी सहकारी समितियों में से एक, भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ (एनसीयूआई) की युवा समिति में नियुक्त किया गया है। मनीषभाई के चुनाव के लिए, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्रभाई मोदी साहब, माननीय सहकारिता मंत्री श्री अमिताभबाई शाह साहब, एनसीयूआई के अध्यक्ष श्री दिलीपभाई संघानी साहब और भारतीय जनता पार्टी के गुजरात प्रदेश अध्यक्ष श्री सी. आर. पाटिल को उन्होंने बहुत-बहुत धन्यवाद दिया।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)